राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 20 अगस्त 2023 वर्ष-6,अंक-209 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्वालियर-चंबल से तय होगी एमपी सरकार, क्यों ज्योतिरादित्य सिंधिया पर इतना दारोमदार

भोपाल। ग्वालियर-चंबल अंचल प्रदेश का रजानीतिक रूप से सबसे समृद्ध अंचल माना जाता है। भाजपा ने प्रदेश में अपने सबसे विश्वस्त सिपहसालार और मुरैना से सांसद नरेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी है। ग्वालियर से ताल्लुक रखने वाले राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के ऊपर भी भाजपा का पूरा दारोमदार है कि पिछली बार उन्होंने जिस तरह कांग्रेस को इस अंचल में जीत दिलाई थी वैसी ही इस बार भाजपा को दिलाएं।

प्रशासनिक दृष्टि से ग्वालियर और चंबल दो इकाइयां हैं, पर राजनीतिक नजरिए से इन दोनों संभागों को एक ही माना जाता है। चंबल संभाग में मुरैना, श्योपुर और भिंड की 13 विधानसभा सीटें हैं। जबकि ग्वालियर संभाग में अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना और ग्वालियर की 21 सीटें हैं। 2018 विधानसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभाव के चलते कांग्रेस ने इस क्षेत्र में 25 सीटें जीती थई जबकि भाजपा को सिर्फ आठ सीटें मिली थईं और एक सीट बसपा ने कब्जा किया था। सिंधिया के भाजपा में आने के बाद नवंबर 220 में प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को 19 और कांग्रेस को 9 सीटें मिली थईं। ग्वालियर संभाग

प्रशासनिक दृष्टि से ग्वालियर और चंबल दो इकाइयां हैं, पर राजनीतिक नजरिए से इन दोनों संभागों को एक ही माना जाता है। चंबल संभाग में मुरैना, श्योपुर और भिंड की 13 विधानसभा सीटें हैं। जबकि ग्वालियर संभाग में अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना और ग्वालियर की 21 सीटें हैं।

में भाजपा के विधायक 6 से बढ़कर 11 हो गए थे। नरेंद्र सिंह तोमर ने ग्वालियर चंबल संभाग में 24 में से 26 सीट जीतने का लक्ष्य तय किया है।

टिकट वितरण में सिंधिया का प्रभाव दिखा

2018 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस से भाजपा में आने वाले दो साथियों पर भाजपा ने भरोसा जताया है। आगामी चुनाव में उन्हें अपनी किस्मत आजमाने का मौका दिया है। इनमें सुमावली से एंदल सिंह कंसाना और पिछोर से प्रीतम सिंह लोधी का नाम शामिल है। भाजपा की पहली सूची में ग्वालियर चंबल संभाग की छह सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए गए हैं जहां भाजपा चुनाव हारी थी। सिंधिया के सबसे विश्वस्त सिपहसालार तुलसीराम सिलावट का मार्ग निष्कंटक बनाने के लिए सांवेर सीट के प्रबल दावेदार राजेश सोनकर को सोनकच्छ शिफ्ट कर दिया गया है। गुना की चाचौड़ा सीट पर पिछली बार चुनाव हारी ममता मीणा की जगह प्रियंका मीणा पर भरोसा जताया गया है।

कांग्रेस की ओर से दिग्गजों ने संभाला मोर्चा

कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी जुलाई में ग्वालियर में एक बड़ी सभा कर चुकी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इसी अंचल में गुना से हैं। प्रदेश में कांग्रेस के मुख्य रणनीतिकार के तौर पर उनकी काफी अहम भूमिका रहेगी। कांग्रेस की ओर से डॉ. गोविंद सिंह ग्वालियर चंबल अंचल का एक और बड़ा चेहरा हैं।

अंचल पर बसपा की भी नजर, तैयारियों में जुटी

2018 के चुनाव में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़े बसपा के संजीव कुमार कुशवाहा ने बड़े अंतर से भिंड की सीट जीतकर भाजपा के समक्ष कड़ी चुनौती पेश की थी हालांकि इस समय वे भाजपा खेमे में हैं। बसपा एक बार फिर विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों में जुटी है। अब उसकी नजर ग्वालियर चंबल अंचल पर है।

उद्यान एक्सप्रेस में लगी आग, स्टेशन पर पहुंचने के बाद धुआं देख हड़कंप; कोई हताहत नहीं

बेंगलुरु। मुंबई-बेंगलुरु के बीच चलने वाली उद्यान एक्सप्रेस में आज आग लग गई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक कर्नाटक के बेंगलुरु में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-केएसआर बेंगलुरु उद्यान डेली एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 11301) में सुबह करीब 7 बजे आग लग गई। स्टेशन अधिकारियों ने एसी कोच से धुआं निकलते देखा, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दक्षिण-पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन के आने के दो घंटे बाद धुआं देखा गया। दावे के मुताबिक घटना से करीब दो घंटे पहले यात्री ट्रेन से उतर चुके थे। अधिकारियों के मुताबिक क्रांतिवीर संगोली रायन्ना रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद उद्यान एक्सप्रेस में आग लग गई। दमकल की गाड़ी और विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और स्थिति का आकलन कर रहे हैं। ट्रेन में आग किस वजह से लगी, इसके सही कारणों के बारे में तुरंत पता नहीं चल सका। आग लगते ही इस पर नजर पड़ी और हालात पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग किन वजहों से लगी, इसका कारण पता लगाने के लिए जांच हो रही है।

ईडी ने हेमंत सोरेन को फिर भेजा नोटिस, 24 अगस्त को बुलाया; बेनामी संपत्ति पर होगी पूछताछ

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दूसरा समन भेजा है। ईडी ने सोरेन को 24 अगस्त को रांची जोनल ऑफिस में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। सूत्रों से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार ईडी के अधिकारी मुख्यमंत्री सोरेन से उनके और उनके परिवार की संपत्तियों के बारे में भी पूछताछ करेंगे। इससे पहले आठ अगस्त को भी ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन भेजकर 14 अगस्त को उपस्थित होने को कहा था। लेकिन वो ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ईडी को पत्र लिखकर कहा था कि समन वापस ले, मैं कानूनी सलाह ले रहा हूं। मुख्यमंत्री ने लिखा था कि आपका इस मामले में किया गया समन गैर कानूनी है। इसपर वे कानूनी सलाह लेकर ही आगे बढ़ेंगे। इससे पहले ईडी ने सोरेन को समन भेजकर 14 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था।

अमित शाह कल मध्यप्रदेश में

सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी करने के साथ कार्यसमिति बैठक में होंगे शामिल

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल अपने एक दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान राज्य सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करने के साथ भारतीय जनता पार्टी की ग्वालियर में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति बैठक में शामिल होंगे।

पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार श्री शाह पहले राजधानी भोपाल आएंगे। यहां वे सरकार के कामकाज का लेखाजोखा प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद वे ग्वालियर पहुंच कर पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक में उपस्थित रहेंगे।

इन सभी कार्यक्रमों के संबंध में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की सरकार ने विकास और गरीबों का जीवन बदलने का काम किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार के 20 वर्षों में जो काम हुए हैं, उन कामों पर केन्द्रित गरीब कल्याण रिपोर्ट कार्ड को श्री शाह भोपाल में जनता के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही श्री शाह विकास

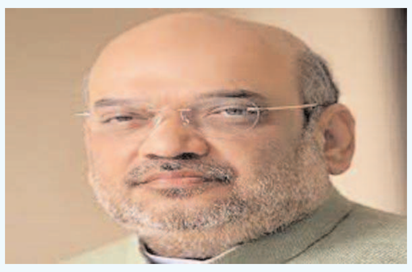

और गरीब कल्याण को लेकर प्रत्येक विधानसभा में पहुंचने वाले प्रचार रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद वे ग्वालियर पहुंचेंगे।

उन्होंने बताया कि कल ग्वालियर के अटल सभागार में वृहद कार्यसमिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें केन्द्रीय गृहमंत्री श्री शाह प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव 2023 की दृष्टि से मार्गदर्शन देंगे।

गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार में बीजेपी ने खर्च किए 210 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। पिछले साल हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में 156 सीटों के साथ बीजेपी ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की थी और कांग्रेस महज 17 सीटों पर सिमट गई थी। इस चुनाव में प्रचार को लेकर किए गए खर्च के आंकड़े में भी बीजेपी कांग्रेस से काफी आगे थी। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी ने करीब 210 करोड़ रुपये गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार पर खत्म किए थे, जबकि इस मद पर कांग्रेस का कुल खर्च 103 करोड़ रुपये रहा था। बीजेपी के खर्चे की रिपोर्ट गुरुवार को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी हुई । इसके मुताबिक, 209.97 करोड़ में से 163.77 करोड़ रुपये पार्टी के सामान्य प्रचार पर खर्च किया गया। इसके अलावा पार्टी ने 5.15 करोड़ रुपये आपराधिक छवि की पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के बारे में बताने के लिए खर्च किए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत सभी राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि उम्मीदवारों के खिलाफ लंबित

आपराधिक मामलों के बारे में सभी विवरण न केवल स्थानीय समाचार पत्रों में बल्कि पार्टी की वेबसाइटों और सोशल मीडिया हैंडल पर भी पार्टियों को देना होगा। 182 सीटों में से 17 सीट जीतकर काफी अंतर से दूसरे नंबर पर रहने वाली कांग्रेस ने चुनाव आयोग को बताया है कि उसने गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार पर कुल 103.26 करोड़ रुपये खर्च किया। पांच सीट जीतने वाली आम आदमी पार्टी ने फरवरी में बताया था कि उसने गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रचार पर कुल 33.8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बीजेपी की केंद्रीय यूनिट ने बाताया था कि उसने चुनाव प्रचार के लिए नितिन गडकरी और अमित शाह की यात्राओं पर 2.88 करोड़ रुपये खर्च किया और मीडिय पर विज्ञापन में उसने 27 लाख खर्च किए, जो पूरी तरह से गूगल को मिला। पार्टी ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को लगभग 41 करोड़ रुपये का भुगतान किया और विमान तथा हेलीकॉप्टर के उपयोग सहित यात्रा व्यय पर कुल 15 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए।

अग्निवीर वायु भर्ती की अंतिम तिथि 20 अगस्त तक बढ़ाई

कोटा। भारतीय वायु सेना में अग्निपथ स्कीम के अंतर्गत अग्निवीर वायु भर्ती के लिए ऑनलाईन पंजीकरण की तिथि 20 अगस्त तक बढ़ाई गई है।

कमान अधिकारी विंग कमांडर अभिषेक सिंह ने बताया कि इच्छुक अविवाहित पुरूष एवं महिला उम्मीदवार भर्ती से संबंधित सभी नियमों की भारतीय वायुसेना की अधिकारिक वेबसाईट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जन्म तिथि 27 जून 2003 से 27 दिसम्बर 2006 तक के बीच जन्मे अविवाहित पुरूष एवं महिला उम्मीदवार इस भर्ती के लिए पात्र होंगे।

श्री सिंह ने बताया कि 12वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा विज्ञान संकाय में गणित, भौतिक और अंग्रेजी विषय के साथ एवं कला तथा वाणिज्य संकाय में किसी भी विषय के साथ 50 फीसदी अंको के साथ अंग्रेजी विषय में भी 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है या दो वर्षीय वोकेशनल कोर्स पास उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं।

मनरेगा के श्रमिकों के लिए अद्वितीय रहा मोदी सरकार द्वारा कराया गया हवाई यात्रा

बेगूसराय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ना सिर्फ देश भर का समग्र विकास कर रही है। बल्कि, विकास कार्य में लगे श्रमिकों का सम्मान भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मनरेगा योजना में बेहतर कार्य करने वाले को दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया गया है। ना सिर्फ श्रमिकों का सम्मान किया गया, बल्कि सम्मान भी ऐसा मिला, जिसका इन लोगों ने सपना भी नहीं देखा था। बेगूसराय से दस श्रमिकों को मनरेगा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी बिट्टू कुमार सिंह के नेतृत्व में हवाई जहाज से दिल्ली ले जाया गया। ठहराया गया बिहार भवन में, केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने सम्मानित करने के अलावा साथ बैठाकर खिलाया। वापसी भी हुई राजधानी एक्सप्रेस से। अमृत सरोवर योजना में बेहतर कार्य करने के बाद सम्मानित होकर गुरुवार की देर शाम बेगूसराय लौटे श्रमिकों के चेहरे पर खुशी छाई हुई है। दिल्ली से वापस लौटे गढ़पुरा प्रखंड के कोरैय निवासी महेन्द्र दास, पंचू दास, पवन दास, महावीर दास, नावकोठी प्रखंड के रजाकपुर निवासी जोगी पासवान, बलिया प्रखंड के पोखरिया मंजलपुर निवासी धर्मेन्द्र सदा दिल्ली गए थे। इनके साथ ही गए बछवाड़ा प्रखंड के अरवा निवासी पंकज कुमार साह, भगवानपुर प्रखंड के मोख्तियारपुर निवासी हरदेव दास तथा बरौनी प्रखंड के पपरौर निवासी मिथलेश कुमार दास एवं अशोक दास आदि दिल्ली यात्रा की कहकर भावुक हो जाते हैं। दिल्ली से लौटे जोगी पासवान एवं मिथलेश कुमार दास ने बताया कि हम सब दैनिक मजदूर रोज कमाते-खाते हैं। कभी सोचा भी नहीं था कि हवाई जहाज पर चढ़ेंगे।

लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हम लोगों को हवाई जहाज की यात्रा करवा दी। जब दिल्ली जाने का पत्र आया तो अचानक हम लोग चौंक उठे। यहां से बेगूसराय पहुंचे और बेगूसराय से स्कॉर्पियो से जैसी गाड़ी से पटना हवाई अड्डा ले जाया गया। वहां जब स्पाइसजेट के हवाई जहाज पर चढ़े तो वह सफर मेरे लिए अद्वितीय था। दिल्ली पहुंचे तो बिहार भवन में मेहमान जैसा स्वागत किया गया। एसी लगे कमरे में दो दिन रुके, मैट्रो की यात्रा की।

गिरिराज सिंह के साथ बैठकर खाना खाया, उन्होंने सम्मानित किया गया। मनरेगा के माध्यम से हमारा गांव कैसे विकसित हो, इसके लिए सुझाव मांगे, बेहतर करने का विचार दिया। यह सब हम लोगों के लिए आश्चर्य और सपना जैसा था। वापसी भी कोई साधारण ट्रेन से नहीं हुई, राजधानी एक्सप्रेस के एसी बोगी में बैठकर हम सब घर आए हैं। मनरेगा के माध्यम से अब तक तो कार्य करते ही थे। लेकिन मोदी सरकार ने जो सम्मान और अनुभव दिया, यह अपने कार्य के प्रति और प्रेरित कर रहा है।

ऐसे कार्यक्रमों से पता चलता है कि नरेन्द्र मोदी ना केवल दूरदर्शी सोच के साथ देश का विकास कर रहे हैं। बल्कि श्रमिकों के लिए उनके दिल में वही स्थान है जो किसी वीआईपी के लिए है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी बिट्टू कुमार सिंह ने बताया कि अमृत सरोवर योजना में बेहतरीन करने वाले श्रमिकों को लेकर जब मैं दिल्ली के लिए चला तो इनकी खुशी देखते ही बनती थी। हवाई जहाज का सफर किसी आश्चर्य से कम नहीं था। भाजपा नेता-सह-सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर ने बताया कि बेगूसराय के इन मनरेगा मजदूरों को विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली भेजा गया।

अररिया पत्रकार मर्डर में बिहार पुलिस का बड़ा एक्शन, 24 घंटे में मुख्य आरोपी समेत 4 गिरफ्तार

अररिया। बिहार के अररिया जिले के रानीगंज में पत्रकार पत्रकार विमल यादव की गोली मारकर हत्या करने के मामले में बिहार पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को वारदात के 24 घंटे के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले में विस्तृत जानकारी देगी। सीएम नीतीश कुमार ने पत्रकार विमल यादव की हत्या को लेकर गहरा दुख जताया और कहा था कि पुलिस पदाधिकारियों को जल्द और ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस हत्याकांड के तार जेल से जुड़ रहे हैं। पकड़े गए अपराधियों में कांड का मुख्य आरोपी भी शामिल है। 18 अगस्त को विमल यादव को उनके घर के बाहर बुला कर हत्या कर दी गई थी। जिसने गोली चलाई थी वह भी पकड़ा गया है। जानकारी के मुताबिक सुपौल जेल में बंद अपराधी रुपेश यादव उन्हें धमकी दे रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि सुपौल जेल में रूपेश यादव से मिलने के लिए कौन-कौन लोग जाते थे।

पुलिस ने देर रात इन चारों को पकड़ लिया।जानकारी के मुताबिक पकड़े गए लोग विमल यादव के आस-पास के ही हैं। पत्रकार को अपने छोटे भाई गब्बू यादव उर्फ शशि भूषण यादव हत्याकांड में गवाही देने से मना किया जा रहा था। अभी तक यही बात सामने आ रही है कि इसी कारण से पत्रकार की हत्या हुई। सुपौल जेल से धमकी देने वाला अपराधी रुपेश यादव भी पत्रकार का पड़ोसी है जो गवाही देने से मना कर रहा था।

गिरफ्तार अभियुक्तों में भरगामा थाना क्षेत्र के बिपिन यादव, रानीगंज थाना क्षेत्र के बेलसरा गांव के भवेश यादव,

आशीष यादव और कोशकापुर पंचायत के वार्ड संख्या एक के उमेश यादव शामिल हैं। सभी अभियुक्तों को अलग अलग जगहों से देर रात को गिरफ्तार किया गया है। मामले की पुष्टि कौशल कुमार ने करते हुए बताया कि विस्तृत जानकारी एसपी प्रेस वार्ता में देंगे। यहां बता दें कि पत्रकार की हत्या मामले में मृतक विमल कुमार के पिता के बयान पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं आज दोपहर में मृतक पत्रकार के घर पर उनके परिजनों से मिलने व सांत्वना देने विपक्ष के नेता विजय सिन्हा व जाप सुप्रीमो पप्पू यादव पहुंच रहे है। विपक्ष के नेता के आगमन पर बेलसरा गांव को पुलिस छांवनी में तब्दील कर दिया गया है।

पप्पू भैया कहकर बुलाया और मारी पत्रकार को गोली, पत्रकार की हत्या पर घिरे नीतीश; भाजपा ने मांगा इस्तीफा

पत्रकार विमल यादव की हत्या से सभी वर्गों के लोगों में आक्रोश है। इस हत्याकांड के विरोध में पटना में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन भी सड़क पर उतरा। और पत्रकारों के सुरक्षा और आरोपियों की मांग की। पत्रकारों ने साथ ही नीतीश की सरकार सरकार से पत्रकारों की सुरक्षा गारंटी मांगी है। दरअसल 18 अगस्त को पत्रकार विमल यादव को घर से बुलाकर गोली मार दी थी। जिसके बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। राज्य के पत्रकारों में भी इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है। जिसके विरोध में आज पत्रकार सड़क पर उतरे और नीतीश सरकार से सुरक्षा गारंटी की मांग की है। इस दौरान पत्रकारों ने नारे लगाए कि पत्रकार सुरक्षा की गारंटी दो, विमल यादव के हत्यारे मुर्दाबाद। पत्रकार हत्याकांड पर बीजेपी ने नीतीश कुमार और उनकी सरकार की जमकर खिंचाई की तो नीतीश कुमार ने घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह बड़ी जघन्य घटना है जिसमें दोषियों के छोड़ा नहीं जाएगा. पटना में सीएम ने पत्रकारों को आश्वासन दिया था कि इस कांड में जो भी लोग होंगे वे नहीं बचेंगे। उन्हें कानून के दायरे में लाकर कार्रवाई की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बैंक शुल्क सुधार

बैंकों द्वारा किसी भी वसूली को न्यायसंगत बनाने की कोई भी कोशिश सराहनीय है। वैसे तो बैंकों को स्वयं ही न्यायपूर्ण ढंग से काम करना चाहिए और जहां भी दंडात्मक शुल्क लगाने की जरूरत है, वहां तार्किकता से काम लेना चाहिए, पर आम तौर पर बैंक ऐसा नहीं करते हैं, इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आवश्यक निर्देश जारी करना पड़ा है। ऋण पर दंडात्मक शुल्क और ब्याज दरों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का यह कदम कारगर सिद्ध होना चाहिए। ऋण खातों में दंड शुल्क के संबंध में ये दिशा-निर्देश 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होंगे। हालांकि, अगर कोई वसूली गलत ढंग से या गलत मानसिकता के साथ की जा रही है, तो उसे जल्द से जल्द रोकने में कोई हर्ज नहीं है। पहली जनवरी 2024 तक न जाने कितने ग्राहकों से करोड़ों रुपये बैंक गलत ढंग से वसूल लेंगे। ऐसे जरूरी आर्थिक सुधारों को जल्द से जल्द लागू करने के प्रति उदासीनता ठीक नहीं है। अपने हित में कोई नया शुल्क वसूलने में बैंक जब देरी नहीं करते हैं, तब ग्राहकों के हित में किसी शुल्क सुधार के लिए उन्हें इतना समय क्यों मिलना चाहिए? भारतीय रिजर्व बैंक ने फेयर लेंडिंग प्रैक्टिस संबंधी अपनी ताजा अधिसूचना में बताया है कि मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत ऋण देने वाले संस्थानों को ब्याज की दंडात्मक दरें लगाने के लिए अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति लागू करने की स्वायत्तता है। मतलब कोई व्यक्ति अगर ऋण न चुका पाए, तो उस पर कितना दंड लगाना है, इसका निर्धारण बैंक अपने स्तर पर ही करते हैं। कोई बैंक ज्यादा दंड लगाता है और कोई कम लगाता है, लेकिन ज्यादातर बैंक ऋण न चुका पाने पर बहुत आक्रामक ढंग से व्यवहार करने के साथ ही भारी दंड वसूली के पक्ष में रहते हैं। अनेक बैंक तो लगाए गए आर्थिक दंड पर भी ब्याज वसूलते हैं। ऋण चुकाने में असमर्थ व्यक्ति दंड पर दंड भुगतता चला जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक दंड वसूली के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि बैंक जायज रूप से वसूली करें। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि दंडात्मक ब्याज/शुल्क लगाने का इरादा अनिवार्य रूप से ऋण अनुशासन की भावना पैदा करना है और ऐसे शुल्कों का उपयोग ब्याज की अनुबंधित दर से अधिक राजस्व वृद्धि उपकरण के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देश तो यह भी है कि बैंक ब्याज दर में कोई अतिरिक्त घटक शामिल नहीं करेंगे। बैंकों को अपने बोर्ड के स्तर पर नीति बनानी पड़ेगी। दंडात्मक शुल्क की मात्रा न्यायोचित होगी। व्यक्तिगत उधार और गैर-व्यक्तिगत उधार के लिए होने वाली शुल्क या दंड वसूली में समानता होगी। यह आम तौर पर देखा जाता है कि बैंक निजी या व्यक्तिगत या पर्सनल लोन के मामले में बहुत सख्त होते हैं, जबकि ऋण लेने वाले उद्योगपतियों या कंपनियों के प्रति उनका रवैया अपेक्षाकृत बहुत उदार होता है। ऋण न चुका पाने वाली कंपनियों के मामले में तो बैंक दंड, ब्याज और कई बार मूल ऋण राशि में भी भारी कमी कर देते हैं। मतलब, भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा दिशा-निर्देश से आम लोगों या व्यक्तिगत कर्जदारों के साथ न्याय की संभावना बढ़ सकती है। यह बात जाहिर है कि बैंक सामान्य ग्राहकों से नाना प्रकार की वसूली करते हैं और अनेक बैंक तो मूलभूत सेवा में भी कमी बरतते हुए ग्राहकों को नुकसान पहुंचाते हैं। बैंकों को आम ग्राहकों के अनुरूप पूरी तरह ढलने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

धधकते मणिपुर के बाद धंसकता हिमाचल

सुनिल माथुर

आपदाएं कहकर नहीं आती । लेकिन हकीकत ये है कि आपदाओं को आदमी खुद आमंत्रित करता है । पिछले दो महीने में हिमाचल और उत्तराखंड में जिस तेजी से पर्वतश्रंखलायें खिसकीं हैं उनसे पहाड़ों की गोद में रहने वाली आबादी दहल गयी है। जितने लोग मणिपुर में तीन महीने से ज्यादा हिंसा की आग में जले मणिपुर में नहीं मारे गए उससे दो गुना ज्यादा लोग हिमाचल और उत्तराखंड में अपनी जान गवां चुके हैं। खूबसूरत हिमाचल तो मिटटी के ढेर में तब्दील होता जा रहा है। पूरे राज्य को आपदाग्रस्त घोषित कर दिया गया है। चुनावी बुखार में डूबे देश को न मणिपुर की फ़िक्र थी और न हिमाचल की फ़िक्र है । मणिपुर के बाद हिमाचल और उत्तराखंड भगवान के भरोसे है। हिमाचल में 10 हजार करोड़ रूपये से ज्यादा की सम्पत्ति का नुक्सान होने के साथ ही बीते दो महीने में 335 लोग अपनी जान गवां चुके हैं। सरकार प्राकृतिक आपदा के सामने असहाय है। विपदा की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ ने हिमाचल को 11 करोड़ रूपये की तात्कालिक सहायता देने का ऐलान किया है । ये मानवीय संवेदना के साथ ही राजनीतिक सद्भावना भी है। हिमाचल में सिंगल इंजन की कांग्रेस सरकार है। इसलिए वहां केंद्र से अपेक्षित मदद अभी नहीं पहुंची है। पहाड़ों में बरसात के दिनों में भूस्खलन एक आम बात है लेकिन जिस तरह से इस बार हिमाचल में पहाड़ खिसके हैं उसे देखकर खौफ पैदा हो गया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले एक हफ्ते से भारी बारिश जारी है। हारकर राज्य सरकार को पूरा राज्य आपदाग्रस्त घोषित करना पड़ा। हिमाचल में आपदा अपने आप नहीं आयी । इंसान ने इसे खुद न्यौता दिया है । विकास के नाम पर पूरे हिमाचल को खोद दिया गया है। पूरे हिमाचल में अवैज्ञानिक निर्माण के लिए पहाड़ों को सीधा काटा गया फलस्वरूप इसमें चट् टानों की नींव भी कट गईं।पानी रुक गय। अब ढलान खत्म होने से पानी बह नहीं रहा, सीधे पहाड़ों में बैठ रहा। पानी के बहाव वाले रास्तों पर पर अतिक्रमण- पानी के बहाव पर बस्तियां बस गईं, निकासी का रास्ता बंद हो गया। आपको शायद यकीन न हो लेकिन हकीकत ये है कि हिमाचल में 68 सुरंगें बन रही हैं। इनमें 11 बन चुकी हैं, 27 निर्माणाधीन हैं और 30 विस्तृत परियोजना की रिपोर्ट तैयार हो रही हैं। इनमें कई परियोजनाएं केंद्र की हैं। इससे राज्य में भूस्खलन के जोखिम वाले क्षेत्र लगातार बढ़ रहे है। उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि हिमाचल में भूस्खलन संभावित क्षेत्र बढ़कर 17,120 हो गए हैं। इनमें भी 675 के किनारे तो बाकायदा आबादी है हैं। शिमला में कई सरकारी भवन भूस्खलन के खतरे की जद में आ चुके हैं।

हिमाचल की आपदा केवल हिमाचल की आपदा नहीं है बल्कि इसकी वजह से सीमावर्ती पंजाब में भी तकलीफें बढ़ीं हैं। हिमाचल में हुई बारिश से पंजाब के 7 जिले बाढ़ की चपेट में है। इनमें होशियारपुर, रोपड़, तरनतारन, कपूरथला, अमृतसर, फिरोजपुर और गुरदासपुर बाढ़ की चपेट में हैं, जिनमें से गुरदासपुर की हालत सबसे अधिक नाजुक बनी हुई है। इन हालातों के बीच राहत की खबर सामने आई है। हिमाचल में हुई बारिश से पंजाब के 7 जिले बाढ़ की चपेट में है। इनमें होशियारपुर, रोपड़, तरनतारन, कपूरथला, अमृतसर, फिरोजपुर और गुरदासपुर बाढ़ की चपेट में हैं, जिनमें से गुरदासपुर की हालत सबसे अधिक नाजुक बनी हुई है।

> दुर्भाग्य की बात ये है की मणिपुर की तरह यहां भी राजनीति हो रही है। जैसे मणिपुर कि मामले में केंद्र सरकार गुड़ खाकर बैठी थी वैसे ही हिमाचल की आपदा केंद्र को नजर नहीं आरही है। प्रदेश में इतनी बड़ी आपदा आई है लेकिन चारों सांसद आपदा में भी राजनीति कर रहे हैं। संसद के सत्र में प्रदेश के सांसदों ने सदन में सरकार से एक सवाल तक नहीं पूछा कि राज्य को राहत राशि कब और कितनी दी जा रही है। हिमाचल में 4 में से 3 संसद भाजपा कि हैं लेकिन राज्य में सरकार कांग्रेस की है। चारों सांसदों में से एक भी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात तक करने नहीं गया ।

हिमाचल की आपदा का अनुमान आप घर बैठे नहीं लगा सकते । इस बार की बरसात ने आधे से अधिक हिमाचल को शरणार्थी शिविरों में बदल दिया है।राज्य में पेयजल, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था व सड़कों सहित अन्य संसाधनों को भी भारी क्षति पहुंची है। अभी तक राज्य में 12 हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं प्रदेश में कृषि और बागवानी को भी भारी नुकसान हुआ है। राज्य में संचार व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रदेश में जनजीवन अस्तव्यस्त हुआ है और व्यावसायिक गतिविधियां भी आपदा से अछूती नहीं रही हैं। प्रदेश के कई क्षेत्रों में लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। खतरे के दृष्टिगत बहुत से लोगों को उनके घरों से सुरक्षित निकालकर दूसरे स्थानों पर इस्त:पित करना पड़ा है। दुर्भाग्य की बात ये है की मणिपुर की तरह यहां भी राजनीति हो रही है। जैसे मणिपुर कि मामले में केंद्र सरकार गुड़ खाकर बैठी थी वैसे ही हिमाचल की आपदा केंद्र को नजर नहीं आरही है। प्रदेश में इतनी बड़ी आपदा आई है लेकिन चारों सांसद आपदा में भी राजनीति कर रहे हैं। संसद के सत्र में प्रदेश के सांसदों ने सदन में सरकार से एक सवाल तक नहीं पूछा कि राज्य को राहत राशि कब और कितनी दी जा रही है। हिमाचल में 4 में से 3 संसद भाजपा कि हैं लेकिन राज्य में सरकार कांग्रेस की है। चारों सांसदों में से एक भी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात तक करने नहीं गया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा खुद मदद करने कि लिए आगे नहीं आए। राज्य कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आरोप है कि चारों सांसद सिर्फ सत्ता सुख भोग रहे हैं। जिन लोगों ने उन्हें चुना उनकी कोई परवाह नहीं है।

बारिश और भूस्खलन से जान-माल का नुकसान जारी है। उत्तराखंड में 15 जून से 28 अगस्त तक बारिश और भूस्खलन के चलते कम से कम 39 लोगों की जान गई है।सवाल ये है की क्या प्राकृतिक आपदाओं कि समय भी राजनीति की जाना चाहिए ? क्या प्रधानमंत्री और किसी दुसरे केंद्रीय मंत्री कि पास इतनी फुरसत नहीं है की वे आपदा ग्रस्त हिमाचल का दौरा कर पीड़ितों को ढांढस बंधा सकें। राजनीति का इतना हृदयहीन होना घातक है। देश को इस तरह की घटिया मानसिकता से बाहर निकलना चाहिए। क्या ही बेहतर होता की हमारे प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जी अपने तमाम चुनावी कार्यक्रमों को छोड़कर हिमाचल की पीड़ित जनता कि साथ खड़े होते ! गनीमत है की हिमाचल की सहायता कि लिए अनेक राज्य सरकारें आगे आयीं है। इनमें हरियाणा की भाजपा सरकार भी शामिल है। पहाड़ी राज्य को संकट से उभारने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिमाचल प्रदेश में पीड़ित लोगों की मदद के लिए 15 करोड़ रुपए की राशि देने की घोषणा की है. इससे पहले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 11 करोड़ और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर 5 करोड़ रुपए की सहायता राशि भेज चुके है।

आपको याद होगा की चुनाव कि समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल को अपना दूसरा घर बताते नहीं टहलते थे । लेकिन आज उनका दूसरा घर सबसे बड़े संकट से गुजर रहा है।लेकिन अभी तक केंद्र ने राज्य की सहायता की घोषणा नहीं की है। कोई नहीं जानता कि केंद्र से वित्तीय सहायता कब मिलेगी ? अगर यह सहायता छह महीने के बाद आएगी तो इसका वह महत्व नहीं रह जाएगा। प्रदेश में भाजपा में नेतृत्व या वर्चस्व की लड़ाई हो सकती है। उनके लिए 2024 के लिए माहौल बनाने की बात हो सकती है, लेकिन सभी की प्राथमिकता पीड़ितों लोगों की मदद करने की होना चाहिए।

दवा कम्पनी व्यापारी और डॉक्टर के त्रिकोण में फंसा मरीज

(लेखक- कुमार कृष्णन)

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा डॉक्टरों के लिए पर्चे पर जनेरिक दवा लिखना अनिवार्य करने से दवा उद्योग असमंजस में है। दवा उद्योग का कहना है कि— नए दिशानिर्देशों का विस्तार से अध्ययन किया जा रहा है। देश में 10,000 से अधिक दवा निर्माता हैं। इनमें सभी एक समान गुणवत्ता के मानदंडों का पालन नहीं करते हैं। ऐसे में यह कदम उठाने से दवा की गुणवत्ता और मरीज की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा - क्या डॉक्टर जिम्मेदार होगा?'डॉक्टर मोलेक्यूल का नाम लिख देता है तो ऐसे में दवा विक्रेता मरीज के लिए ब्रांड का चयन करेगा। उद्योग को डर है, 'ऐसे में ब्रांड को डॉक्टर की जगह दवा विक्रेता चुनेगा और ब्रांड चुनने की शक्ति दवा विक्रेता को स्थानांतरित होगी। ऐसे में जो भी कंपनी ज्यादा छूट देगी, दवा विक्रेता उस कंपनी को प्राथमिकता देगा।'

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने जारी दिशानिर्देश में कहा कि डॉक्टर को अनिवार्य रूप से जनेरिक दवा लिखनी होगी और ऐसा नहीं करने पर उन्हें दंडित किया जाएगा। ऐसे में कुछ समय के लिए डॉक्टर का लाइसेंस भी निलंबित किया जा सकता है।

आयोग ने हाल ही में 2 अगस्त को 'पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर के व्यावसायिक आचरण से संबंधित नियम' जारी किए थे। इसमें यह तक कहा गया है, 'हरेक पंजीकृत मेडिकल पैक्टिशनर को दवा का जनेरिक नाम स्पष्ट लिखना चाहिए। दवा की मात्रा तार्किक होनी चाहिए, बेवजह दवा लिखने से बचना चाहिए।' आयोग ने अपने दिशानिर्देश में जनेरिक दवाएं लिखने के अलावा डॉक्टरों के स्वास्थ्य संस्थानों या दवा कंपनियों से मुफ्त उपहार लेने पर भी रोक लगा दी है। इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि 'पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर या उनके परिवार के किसी भी सदस्य को किसी भी हालत में दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों, वाणिज्यिक स्वास्थ्य संस्थानों, चिकित्सा उपकरण कंपनियों या कॉरपोरेट अस्पतालों से मुफ्त उपहार नहीं लें। हालांकि इसमें स्पष्ट किया गया है, 'इन संगठनों के कर्मचारी होने की स्थिति में आरएमपी के वेतन और अन्य लाभों को शामिल नहीं किया गया है।'

स्वस्थ भारत न्यास के अध्यक्ष आशुतोष सिंह का कहना है कि दवा के क्षेत्र में ब्रांड की आवश्यकता नहीं है।

जेनरकि दवा के लिए मार्जिन भी तय कर दिया गया है। इस क्रम में थोक विक्रेता के लिए 10 फीसदी और फुटकर (दवा विक्रेता) के लिए 20 फीसदी है। ऐसे में छोटी दवा कंपनियों को फायदा होगा। इसका कारण यह है कि वे अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए डॉक्टर के पर्चे की मदद नहीं लेती हैं बल्कि प्रत्यक्ष कारोबार करती हैं। लिहाजा छोटी कंपनियों का मार्जिन बढ़ेगा। लिहाजा दवा क्षेत्र की बड़ी कंपनियां भी इस क्षेत्र में अपनी गतिविधियां बढ़ाएंगी। भारतीय दवा बाजार की बात करें तो बिक्री वृद्धि वित्त वर्ष 2016 के 5.6 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2023 में 0.1 प्रतिशत रह गई। केंद्र सरकार भी अपने ट्रेड जेनेरिक्स पर ध्यान दे रही है, क्योंकि उसने सस्ती दवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। जन औषधि स्टोरों ने पिछले पांच साल में 54 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है। जन औषधि योजना को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के नाम से भी जाना जाता है। जन औषधि फार्मेसी स्टोरों के जरिये जेनेरिक दवाएं बड़ी छूट पर मुहैया कराई जाती हैं।ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं की बिक्री कंपनी द्वारा अपने कर्मियों और डॉक्टर के पर्चे के जरिये की जाती है। एक ताजा रिपोर्ट में नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा है, 'पीएमबीजेपी के खुलासे से संकेत मिलता है कि औसत तौर पर ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के मुकाबले छूट करीब 85 प्रतिशत होती है। यानी किसी ब्रांडेड जेनेरिक की रिटेल कीमत जन औषधि स्टोरों की कीमतों के मुकाबले करीब सात गुना होती है। इसलिए, 1,220 करोड़ रुपये की जन औषधि बिक्री 8,540 करोड़ रुपये की ब्रांडेड जेनेरिक रिटेल बिक्री के बराबर है, जो ब्रांडेड जेनेरिक बाजार का 4.2 प्रतिशत (आईक्यूवीआईए डेटा के आधार पर) है। 30 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि के साथ हमारा मानना है कि जन औषधि हरेक साल भारतीय दवा बिक्री का करीब 1 प्रतिशत पर कब्जा जमा रही है। जन औषधि की बढ़ती लोकप्रियता के साथ साथ दवा कंपनियों के ट्रेड जेनेरिक्स में वृद्धि और रिटेल फार्मेसी द्वारा प्राइवेट लेबलों से ब्रांडेड जेनेरिक की बिक्री वृद्धि प्रभावित हो रही है।' वित्त वर्ष 2023 में देश में 9,304 जन औषधि स्टोर थे, जिसके साथ ही भारत में यह सबसे बड़ी फार्मेसी चेन बन गई है। अक्सर ट्रेड जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के मुकाबले 50-60 प्रतिशत कम कीमत पर उपलब्ध होती हैं, क्योंकि इनसे विपणन खर्च जुड़ा नहीं होता है।मौजूदा समय में देश में 60 प्रतिशत लोगों की पहुंच किफायती दवाओं तक है, इसलिए इस क्षेत्र पर पर्याप्त ध्यान दिए जाने की जरूरत होगी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने केवल जनेरिक दवाएं लिखने के कदम का विरोध किया है। एसोसिएशन ने ने इसे रोकने की मांग करते हुए केंद्र से व्यापक चर्चा कराने की मांग की है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने आयोग के इस कदम को 'गैरकानूनी' करार दिया है। भारत ब्रांडेड जनेरिका दवाओं का मार्केट है और यहां औषधि कंपनियां मिलते जुलते नामों से अपने उत्पाद पेश करती हैं। लिहाजा एक ही मोलेक्यूल को विभिन्न नामों से बेचा जा सकता है। 'देश में गुणवत्ता नियंत्रण बेहद कमजोर है। दवा की गुणवत्ता जांच किए बिना दवाई लिखे जाने पर व्यावहारिक रूप से कोई गारंटी नहीं होगी और यह मरीज के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत में बनने वाली दवाओं में 0.1 फीसदी दवाओं की ही गुणवत्ता परीक्षण होता है।''यह आईएमए के लिए अत्यंत चिंता का मुद्दा है। इससे मरीजों की देखभाल और सुरक्षा प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती है। सही ढंग से जनेरिक दवाओं को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है।' आईएमए ने कहा, 'देश में गुणवत्ता नियंत्रण बेहद कमजोर है। दवा की गुणवत्ता जांच किए बिना दवाई लिखे जाने पर व्यावहारिक रूप से कोई गारंटी नहीं होगी और यह मरीज के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत में बनने वाली दवाओं में 0.1 फीसदी दवाओं की ही गुणवत्ता परीक्षण होता है।'

लोग अपने आय का 80 फीसदी खर्च दवा पर करते हैं।अमेरिका में हथियार के बाद सबसे बड़ा व्यापार दवा है। दवाओं की राजनीति में नाटक हो रहा है। उस नाटक के अलग-अलग पात्र हैं- दवा कम्पनी और दवा के व्यापारी, मरीज उपभोक्ता, लिखने वाले डॉक्टर और प्रतिबन्धित करने वाली एजेंसी। भारत जैसे देश में दवाओं का बाजार 60 से 70 हजार करोड़ सालाना है। यह दुनिया का एक फीसदी है। दवा के व्यापार को यूरोपीय देश तथा उत्तरी अमेरिका संचालित करती आई और इसका दबदबा कायम रहा।बाद के वर्षों में भारत ने दवा के क्षेत्र में कामयाबी हासिल की। दवा निर्माण में भारत तीसरे नम्बर पर है। दुनिया की 8 फीसदी दवाओं का निर्माण भारत में होता है। इसके बावजूद 20 से 40 फीसदी लोगों को ही दवा उपलब्ध हो पाती है। हिन्दुस्तान में आयात कर लाई जाने वाली दवाओं के दाम अधिक थे और उसे मनचाहे दामों पर बेचा जाता था।

विचार मंथन

अधिकारियों ने मंजूरी दी, उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं

(लेखक - सनत जैन)

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की कलियासोत नदी के दोनों और 33 मीटर के दायरे में कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता था। पिछले तीन दशकों से कलियासोत नदी के किनारे हजारों की संख्या में भवन निर्माण और विकास कार्य हुए हैं। टाउन कंट्री, प्लैनिंग, नगर निगम और सरकार के अधिकारी भवन निर्माण और विकास कार्यों की स्वीकृति दे रहे थे। नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी सरकार और उसकी संस्थाओं की थी। लेकिन इन्हीं ने सबसे ज्यादा नियमों का उल्लंघन किया। बिल्डरों एवं रियल स्टेट से जुड़े लोगों ने सामान्य नागरिकों के साथ सरकारी अ धिका रियों की मिलीभगत से ठगी करके अरबों रुपए के घपले-घोटाले किए। हाल ही में एनजीटी ने 2000 से अधिक निर्माण कार्यों को तोड़ने के आदेश दिए हैं। अरबों रुपए के यह निर्माण कार्य तोड़े जाएंगे। लगभग 25000 की आबादी इससे प्रभावित होगी। हजारों प रिवारों की छत टूट जायेगी। लोग बेघरबार होकर सड़कों पर आ जाएंगे। लोगों ने अपने जेवर-जायदाद बेचकर यहां पर फ्लैट और मकान खरीदे थे। बैंक से लाखों रुपए का लोन लिया था। पिछले कई वर्षों से वह यहां पर रह रहे थे। लोन देने के पहले बैंकों ने भी सभी दस्तावेज जांचकर लोन मंजूर किया था। लोन लेने वालों के मकान तोड़े जाएंगे। अ धिक नुकसान भी यहां के रहवासियों को होगा। जिन अधिकारियों ने एनजीटी के नियमों का पालन नहीं किया, उन पर एनजीटी ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिसके कारण आम लोगों के साथ लगातार इस तरह की धोखाधड़ी होती है। इस तरही की गड़बड़ी भारत में ही संभव है, अरबो रुपए का निर्माण होने और फिर उसको तोड़ देना, यह दुनिया के किसी भी देश में संभव नहीं है, जो भारत में संभव होता है। कलियासोत नदी के आजू-बाजू जितने भी बिल्डर हैं, सभी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त बिल्डर हैं। इन्होंने पिछले तीन दशक में करोड़ों अरबो रुपए कमाए, सरासर लूटा-मारी की। अब एनजीटी ने इन्हीं निर्माण को तोड़ने का आदेश दिया है। जिसमें अरबों रुपए का नुकसान आम आदमी को होने जा रहा है। बैंकों का भी करोड़ों रुपए जो फाइनेंस किए गए थे, वह भी वसूल हो पाएंगे या नहीं यह कहना मुश्किल है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सरकार जहां पर 24 घंटे 365 दिन काम करती है, वहां पर सरकार के बनाए हुए नियम-कानूनों का पालन सरकार नहीं करा पाती है। ऐसे नियम-कानून बनाने का फायदा भी क्या है।

अरबों रुपए की इस गड़बड़ी पर एनजीटी ने सरकार, नगर निगम के अधिकारियों और टाउन कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों की कोई जिम्मेदारी तय नहीं की है। यह इतना बड़ा अपराध है कि निर्माण तोड़ने के पहले इन्हें भी दंडित किए जाने की एनजीटी को कार्रवाई करनी चाहिए थी। संस्थाओं द्वारा नियमों का पालन कराया जाता है। यदि संस्थाएं ही गलत काम करने पर आमादा हो जाएं, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आधार पर अवैधानिक ढंग से अनुमति दी जाए। इसके लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी अ धिका रियों की तय की जानी चाहिए थी, जो अभी तक नहीं की गई है। जिन अधिकारियों ने अनुमति दी है, जिन बिल्डरों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उनके ऊपर अपरा धकि कार्रवाई की जानी चाहिए। लेकिन खा मियाजा आम आदमी को भोगना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हजारों की संख्या में वैध निर्माण को तोड़ने के आदेश की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का यह एक ऐसा उदाहरण है। सारे देश में नियम कानूनों का यही हाल है। समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर राजनेताओं और बड़े-बड़े अधिकारी नियमों का अपने ढंग से दुरुपयोग करके अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों की पूर्ति करते हैं। खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है। हजारों प रिवार अपने जीवनभर की कमाई एक ही झटके में खोकर सड़कों पर आने विवश हैं। वहीं सरकारी अ धिकारी सरकारी संरक्षण में अपराध करने के बाद भी बचे हुए हैं। वहीं उन्होंने करोणों रुपयों की कमाई भी कर ली है। शायद इसे ही भाग्य कहते हैं।

सेबी ने निवेशक शिकायत निवारण प्रणाली सशक्त करने नियम बनाए

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशक शिकायत निवारण प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए नियम बनाए हैं। इसके तहत संबद्ध इकाइयों को शिकायतों का निवारण 21 दिन में करना होगा। प्रतिभूति बाजारों में निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के बीच नये नियम लाये गये हैं। गुरुवार को जारी अधिसूचना के अनुसार अब मर्चेंट बैंकर, डिबेंचर ट्रस्टी, किसी निर्गम के पंजीयक, शेयर ट्रांसफर एजेंट और 'अपने ग्राहक को जानो' पंजीकरण एजेंसी 21 दिनों के भीतर निवेशकों की शिकायतों का निवारण करेगी। ये नियम पोर्टफोलियो प्रबंधकों, निवेश सलाहकारों और अनुसंधान विश्लेषकों पर भी लागू होंगे। सेबी निर्धारित समय के भीतर शिकायत निवारण प्रक्रिया को संभालने और निगरानी के लिए एक कॉरपोरेट निकाय को भी मान्यता दे सकता है।

नेपाल 10 साल में भारत को 10,000 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा: प्रचंड

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्क कमल दाहाल प्रचंड ने कहा कि उनकी सरकार अगले 10 वर्षों में पड़ोसी देश भारत को निर्यात की जाने वाली बिजली को 450 मेगावाट से बढ़ाकर 10,000 मेगावाट करना चाहती है। प्रचंड ने यहां नेपाल बिजली प्राधिकरण के 38वें वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस दिशा में दोनों देशों के बीच एक प्रारंभिक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर भी किए जा चुके हैं। नेपाल इस समय करीब 450 मेगावाट बिजली का निर्यात भारत को कर रहा है लेकिन हम अगले 10 वर्षों में इसे 10,000 मेगावाट तक ले जाने का इरादा रखते हैं। प्रचंड ने कहा कि भारत की हालिया यात्रा के दौरान उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चर्चा की थी। इस दौरान अधिशेष बिजली के कारोबार के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच होने के बारे में भी सहमति जताई गई थी। उन्होंने कहा कि नेपाल अपने पनबिजली क्षेत्र में व्यापक बदलाव कर रहा है और यह विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने में भी लगा हुआ है।

नेपाल 10 साल में भारत को 10,000 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा: प्रचंड

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्क कमल दाहाल प्रचंड ने कहा कि उनकी सरकार अगले 10 वर्षों में पड़ोसी देश भारत को निर्यात की जाने वाली बिजली को 450 मेगावाट से बढ़ाकर 10,000 मेगावाट करना चाहती है। प्रचंड ने यहां नेपाल बिजली प्राधिकरण के 38वें वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस दिशा में दोनों देशों के बीच एक प्रारंभिक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर भी किए जा चुके हैं। नेपाल इस समय करीब 450 मेगावाट बिजली का निर्यात भारत को कर रहा है लेकिन हम अगले 10 वर्षों में इसे 10,000 मेगावाट तक ले जाने का इरादा रखते हैं। प्रचंड ने कहा कि भारत की हालिया यात्रा के दौरान उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चर्चा की थी। इस दौरान अधिशेष बिजली के कारोबार के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच होने के बारे में भी सहमति जताई गई थी। उन्होंने कहा कि नेपाल अपने पनबिजली क्षेत्र में व्यापक बदलाव कर रहा है और यह विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने में भी लगा हुआ है।

टमाटर हुआ और भी सस्ता, अब खरीदें 40 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) और नेफेड को 40 रुपए प्रति किलोग्राम के खुदरा मूल्य पर टमाटर बेचने का निर्देश दिया गया है। अभी ये एजेंसियां 50 रुपए के भाव पर टमाटर बेच रही थीं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने थोक और खुदरा बाजारों में टमाटर की कीमतों में लगातार जारी गिरावट को देखते हुए यह निर्देश जारी किया है। मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की खुदरा बिक्री 14 जुलाई, 2023 से शुरू हुई थी। पिछले 13 अगस्त, 2023 तक दोनों एजेंसियों ने कुल 15 लाख किलोग्राम टमाटर की खरीद की है, जिसे देश के प्रमुख खपत केंद्रों में खुदरा उपभोक्ताओं को लगातार बेचा जा रहा है। इन स्थानों में दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान (जयपुर, कोटा), उत्तर प्रदेश (लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज) और बिहार (पटना, मुजफ्फरपुर, आरा, बक्सर) शामिल हैं।

एनसीसीएफ और नेफेड द्वारा खरीदे गए टमाटरों की खुदरा कीमत शुरू में 90 रुपए प्रति किलोग्राम तय की गई थी जिसे उपभोक्ताओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए कीमतों में गिरावट के अनुरूप

क्रमिक रूप से कम किया गया। खुदरा मूल्य को 15 अगस्त को घटा कर 50 रुपए किया गया था और अब इसे 40 रुपए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता मामलों के विभाग के निर्देश पर एनसीसीएफ और नेफेड ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र की मंडियों से टमाटर की खरीद शुरू की थी जिससे प्रमुख खपत केंद्रों में एक साथ बिक्री की जा सके, जहां खुदरा कीमतों में पिछले एक महीने में अधिकतम वृद्धि दर्ज की गई है।

देश का टैबलेट बाजार जून तिमाही में 22 फीसदी गिरा

नई दिल्ली । भारत में टैबलेट बाजार में अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत गिरावट आई है जबकि तिमाही आधार पर यह 29 प्रतिशत बढ़ा है। शोध कंपनी साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। टैबलेट बाजार में एप्पल सबसे ऊपर है जबकि सैमसंग उससे थोड़ा पीछे दूसरे स्थान पर है। सीएमआर की टैबलेट पीसी बाजार रिपोर्ट के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में समूचे टैबलेट बाजार में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार 5जी टैबलेट के कारोबार में सालाना आधार पर सात प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। वहीं वाईफाई टैबलेट के कारोबार में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत वृद्धि हुई। एप्पल और सैमसंग, दोनों का टैबलेट कारोबार इस तिमाही में छह प्रतिशत तक बढ़ा है। हालांकि एप्पल 25.38 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रही जबकि दूसरे स्थान पर सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी 25.31 प्रतिशत है। इस अवधि में लेनोवो का कारोबार 30 प्रतिशत गिरने के बावजूद कंपनी 23 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर रही।

बिन्नी बंसल शुरु करने जा रहे हैं ई-कॉमर्स स्टार्टअप, पूरी पूंजी एक ही जगह लगाएंगे

नई दिल्ली । फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बिन्नी बंसल एक नया स्टार्टअप शुरु करने जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने फ्लिपकार्ट में बाकी हिस्सेदारी भी बेच दी है। अब वह केवल नए स्टार्टअप में ही अपनी सारी पूंजी लगाएंगे। कथित तौर पर भारत में बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र में एक नए स्टार्टअप की योजना बनाने के दौरान बंसल ने हाल ही में फ्लिपकार्ट में अपनी बची हुई हिस्सेदारी बेच दी है। अब वह एक ई-कॉमर्स स्टार्टअप बनाने के प्रयास में हैं। सूत्रों की मानें तो बंसल नए ई-कॉमर्स स्टार्टअप में पूरी पूंजी खुद लगाएंगे। बंसल को फ्लिपकार्ट में अपनी हिस्सेदारी से लगभग एक-डेढ़ अरब डॉलर मिले हैं। बता दें कि बिन्नी ने सचिन बंसल के साथ, फ्लिपकार्ट को 2018 में लगभग 16 अरब डॉलर में वॉलमार्ट के हाथों बेच दिया था। बिन्नी ने एको, एथर एनर्जी, क्योरफूड्स, कल्टफिट, ब्राइटचैम्प्स, अनएकेडमी, युलु और अन्य जैसे लगभग 60 स्टार्टअप का समर्थन किया है। जबे कि पिछले साल, बिन्नी बंसल ने घरेलू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में अपनी 26।4 करोड़ डॉलर (दो हजार करोड़ रुपये से अधिक) की हिस्सेदारी चीनी इंटरनेट दिग्गज टेनसेंट को बेच दी थी। गौरतलब है कि आईआईटी दिल्ली से 2005 में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी. टेक की डिग्री प्राप्त करने वाले सचिन और बिन्नी बंसल ने भारत को सबसे बड़े ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस में से एक बनाया है। सचिन ने 2007 में इसकी स्थापना से लेकर 2015 तक सीईओ के रूप में फ्लिपकार्ट का नेतृत्व किया और 2016 में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। वह वर्तमान में भारत में स्टार्टअप और इंटरनेट पारिस्थितिकी तंत्र का नेतृत्व और मार्गदर्शन कर रहे हैं और कई प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में एक एंजेल निवेशक हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने से पहले बिन्नी ने जनवरी 2016 तक फ्लिपकार्ट के सीईओ के रूप में कार्य किया। वह नवंबर 2018 में फ्लिपकार्ट से बाहर निकल गए और एक शानदार एंजेल निवेशक बन गए।

- अडानी समूह की सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 10.96 लाख करोड़ रुपए हो गया

अडानी समूह का बाजार पूंजीकरण 45,200 करोड़ बढ़ा

मुंबई ।

देश के प्रमुख कारोबारी में से एक गौतम अडानी के समूह की कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में शुक्रवार को 45,200 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इसका कारण वैश्विक निवेशकों के विश्वास जताने पर समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में आई तेजी है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार अडानी समूह की 10 कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को 10.96 लाख करोड़ रुपए हो गया। गुरुवार को कारोबार की समाप्ति पर सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 10.51 लाख करोड़ रुपए था। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर की कीमतों में वृद्धि वैश्विक निवेशकों की रुचि बढ़ने के कारण है। लगता है कि निवेशकों ने डेलॉयट के हालिया मुद्दे को पीछे छोड़ दिया है। एक घरेलू ब्रोकरेज कंपनी के शोध प्रमुख ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में अडानी समूह

के शेयरों में मजबूती देखने को मिली। बाजार ने उभरती गतिविधियों और उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, सामूहिक स्तर पर धन जुटाने की प्रक्रिया मजबूत बनी हुई है और परियोजना निष्पादन निर्बाध रूप से आगे बढ़ रहा है, समूह की परिचालन क्षमताओं में विश्वास की एक मजबूत भावना है। शेयर निकट अवधि में लाभ के लिए तैयार हैं।

शोध प्रमुख ने कहा कि विश्वास पैदा करने के लिए प्रवर्तकों द्वारा किए गए उपायों ने भी मदद की है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक निवेशकों जीक्यूजी पार्टनर्स और कतर इनवेस्टमेंट अथॉरिटी द्वारा हाल ही में किए गए अधिग्रहणों को सकारात्मक रूप से लिया गया क्योंकि इन सौदों के बाद प्रवर्तक समूह के पास प्रचुर मात्रा में पूंजी है।

इसने सभी चिंताओं को पीछे छोड़ दिया है- चाहे वह हिंडनबर्ग हो या डेलॉयट। अडानी समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर शुक्रवार को अच्छी बढ़त में बंद हुए। इनमें अडाणी पावर ने 6.34 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी ने 6.7 प्रतिशत और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने छह प्रतिशत की बढ़त हासिल की। समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 3.93 प्रतिशत चढ़ा, जिससे उसका बाजार मूल्यांकन 2,93,789 करोड़ रुपए हो गया। बढ़त वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में अडानी पोर्ट्स और अडानी टोटल गैस के शेयरों में शुक्रवार को 3.2-3.2 प्रतिशत की बढ़त हुई।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट पर बंद बाजार

मुंबई ।

अमेरिकी फेड रिज़र्व के ब्याज दर में कटौती की उम्मीद धूमिल होने से विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, पावर और धातु समेत सत्रह समूहों में हुई बिकवाली से लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह मंगलवार को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बाजार बंद रहने की वजह से सप्ताह में केवल चार` दिन ही कारोबार हुआ। सप्ताह भर शेयर बाजार में गिरावट का सिले सिला जारी रहा। पिछले चार दिन के कारोबार पर नजर डालें तो शेयर बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सुबह के समय दोनों ही प्रमुख सूचकांकों में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 378 अंक गिरकर 64944 पर खुला और 79.27 अंक की तेजी के साथ 65,401.92 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 121 गिरकर 19306 पर खुला और 6.25 अंक की मामूली तेजी के साथ 19,434.55 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स करीब 300 अंक गिरकर 65,100 के स्तर पर खुला और 137.50 अंकों की बढ़त के साथ 65,539.42 पर बंद हुआ। निफ्टी 61.45 अंकों की गिरावट के साथ 19,373.10 पर खुला और 30.45 अंक मजबूत होकर 19,465.00 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 194.89 अंकों की गिरावट के साथ 65,344.53 पर खुला और 388.40 अंक गिरकर 65,151.02 पर बंद हुआ। निफ्टी 61.35 अंक फिसलकर 19,403.65 पर खुला और 99.75 अंक गिरकर 19,365.25 के लेवल पर बंद

हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 237 अंक नीचे 64913 पर खुला और 202.36 अंक (0.31 फीसदी) की गिरावट के साथ 64,948.66 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 63.20 अंक फिसलकर 19,302.05 पर खुला और 55.10 अंक (0.28 फीसदी) की गिरावट के साथ 19,310.15 पर बंद हुआ।

रुपए की गिरावट से बढ़ेगी महंगाई

नई दिल्ली । डॉलर की तुलना में रुपए का लुढ़कना जारी है। यह लगातार दूसरे दिन एक पैसे की गिरावट के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर 83.10 पर बंद हुआ। इस गिरावट से जहां महंगाई बढ़ेगी, वहीं विदेशों में पढ़ाई भी महंगी होगी। विश्लेषकों के मुताबिक ग्राहकों को कुछ उत्पादों पर ज्यादा खर्च करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, क्योंकि रुपए की गिरावट से आयात महंगा हो जाएगा। आयातित वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती लागत से रुपए में गिरावट से महंगाई पर दबाव पड़ता है। आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कंपनियों को ग्राहकों पर बढ़ोतरी का बोझ डालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। यह एक साल में पहली बार हुआ है जब इतने लंबे समय तक डॉलर तेजी में रहा है।

पेट्रोल और डीजल जल्द होगा सस्ता

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई पर काबू पाने के लिए जल्द ही सरकार कुछ कदम उठा सकती है, जिससे खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई से आम आदमी को निजात मिल सकती है। साथ ही जल्द पेट्रोल-डीजल के भाव भी घट सकते हैं। भारत सरकार इस पर काम कर रही है। इसमें विभिन्न मंत्रालयों के बजट से करीब 1 लाख करोड़ रुपए को री-अलोकेट किया जाएगा। इस पैसे को फूड और फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए लगाया जाएगा। यह रि-अलोकेशन इस तरह होगा, जिससे सरकार के घाटे का लक्ष्य प्रभावित न हो। एक रिपोर्ट के अनुसार इसमें लोकल गैसोलीन सेल्स पर टैक्स घटाना और खाद्य तेल तथा गेहूं पर आयात शुल्क को कम करना शामिल है। गैसोलीन पर टैक्स कम होगा तो पेट्रोल-डीजल के दाम घट जाएंगे। इन शहरों में पेट्रोल डीजल के दाम- दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल

89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.27 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 602.16 अरब डॉलर रहा

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 70.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 602.16 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी।

लगातार तीन हफ्तों तक गिरावट के बाद मुद्रा भंडार में होने वाली यह पहली बढ़ोतरी है। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.42 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 601.45 अरब डॉलर रहा था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 11 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 99.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 534.39 अरब डॉलर हो गईं।

डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-

अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 34 करोड़ डॉलर घटकर 44.34 अरब डॉलर रह गया।

आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.32 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 20 लाख डॉलर घटकर 5.09 अरब डॉलर रह गया।

एक्स पर डायरेक्ट मैसेज को छोड़कर ब्लॉकिंग फीचर जल्द हटेगा: एलन मस्क

वाशिंगटन ।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को लेकर एलन मस्क आए दिन विवादों में रहते हैं। एक्स के सीईओ ने अब एक नया एलान किया है। मस्क ने अपने व्यापारिक योजना की घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा कि एक्स से ब्लॉकिंग सुविधा को हटाने के लिए काम कर रहे हैं।

एक्स प्रमुख मस्क ने अपने एक प्रशंसक द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डीएम (डायरेक्ट मैसेज) को छोड़कर ब्लॉक की सुविधा को जल्द हटाया जाएगा। वहीं मस्क के इस ऐलान ने तरह-तरह की विचारधाराओं को उत्पन्न होने का रास्ता दिया है। कुछ लोग इसे ट्विटर पर खुलकर और बोलने को बढ़ावा देने के साधन के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य चिंता व्यक्त करते कहते हैं कि यह असुरक्षित वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। मस्क का बयान टेस्ला फैन अकाउंट के एक प्रश्न से प्रेरित था। जिसमें म्यूट करने के बजाय ब्लॉक करने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया गया था। हालांकि, कुछ उपयोगकर्ताओं ने प्रस्ताव दिया है कि सेवा की पिछली प्रमाणीकरण प्रणाली का अनुकरण करने के लिए अवरुद्ध सुविधा को नया रूप दिया जा सकता है। जिसे अक्सर सुरक्षा उपाय के रूप में देखा जाता है। हालांकि, म्यूट सुविधा जारी रह सकती है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ब्लॉक करना और म्यूट करना समान नहीं हैं।

उच्च वृद्धि दर से आय में क्रमिक वृद्धि होगी जो आर्थिक स्थिति को मजबूती देगी: मूडीज

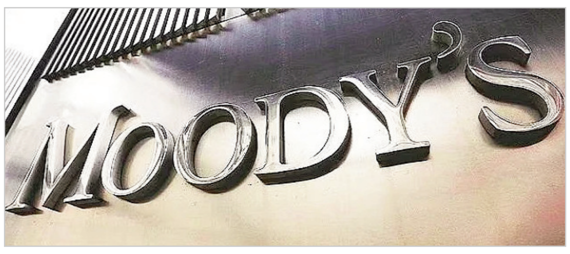

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की साख को बीएए3 रेटिंग पर बरकरार रखते हुए कहा कि उच्च वृद्धि दर से आय स्तर में क्रमिक वृद्धि होगी जो आर्थिक स्थिति को मजबूती देगी। मूडीज का अनुमान है कि घरेलू मांग के दम पर भारत की आर्थिक वृद्धि दर कम-से-कम अगले दो साल तक जी-20 देशों की अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। रेटिंग एजेंसी ने एक बयान में कहा, मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत सरकार की दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग और स्थानीय मुद्रा को लेकर बीएए3 रेटिंग की पुष्टि की है। मूडीज ने भारत की अन्य अल्पकालिक स्थानीय-मुद्रा रेटिंग को भी पी-3 पर बरकरार रखा है। परिदृश्य स्थिर बना हुआ है। बीएए3 को निवेश स्तर की सबसे निचली रेटिंग माना जाता है। तीनों वैश्विक रेटिंग एजेंसियों फिच, एसएंडपी और मूडीज ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत को सबसे कम निवेश-योग्य रेटिंग दी हुई है। निवेशकों के लिये किसी देश की रेटिंग उसकी साख को बताती है और यह कर्ज लेने की लागत को भी प्रभावित करती है।हालांकि मूडीज का मानना है कि पिछले सात-10 वर्षों में आर्थिक वृद्धि दर क्षमता के अनुकूल नहीं रही है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार इसके तेजी से बढ़ने की संभावना है। उसने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उच्च वृद्धि आय के स्तर को धीरे-धीरे बढ़ाने और कुल मिलाकर आर्थिक मजबूती में योगदान देगी। इससे राजकोषीय मजबूती को समर्थन मिलेगा और सरकार के कर्ज को भी स्थिर बनाने में मदद करेगा। इसके अलावा वित्तीय क्षेत्र के लगातार मजबूत होने से आर्थिक और देनदारी के स्तर पर जो जोखिम था, वह भी दूर होगा।

अंतिम पंघाल ने इतिहास रचा , सविता को भी स्वर्ण, भारत ने टीम चैम्पियनशिप जीती

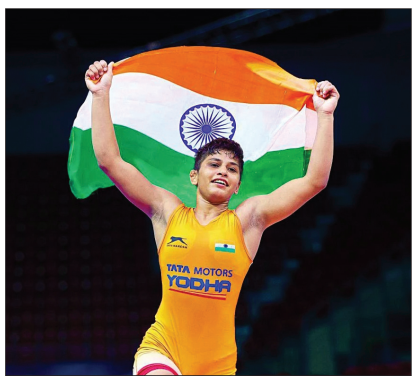

अम्मान। (एजेंसी)। अंतिम पंघाल इतिहास रचते हुए लगातार दो बार अंडर 20 विश्व खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई जिसने यहां 53 किलोवर्ग में खिताब अपने नाम किया। सविता ने भी 62 किलोवर्ग में खिताब जीता और भारतीय महिला टीम ने इस खेल के इतिहास में पहली बार विश्व चैम्पियनशिप टीम खिताब अपने नाम किया। प्रिया मलिक ने बृहस्पतिवार को 76 किलोवर्ग में खिताब जीता था।

भारत के सात पहलवानों ने इस बार पदक जीता है जिनमें तीन स्वर्ण शामिल हैं। अंतिम कुंडू (65 किलो) ने रजत और रीना (57 किलो) , आरजू (68 किलो) और हर्षिता (72 किलो) ने कांस्य पदक जीते। हरियाणा के हिसार की रहने वाली पंघाल ने यूक्रेन की मारिया येफ्रेमोवा को 4 . 0 से हराकर खिताब जीता। उसने पूरे टूर्नामेंट में इतना जबर्दस्त प्रदर्शन किया कि सिर्फ दो अंक गंवाये। उसने साबित कर दिया कि एशियाई खेलों के ट्रायल के लिये विनेश फोगाट को चुनौती देना अति आत्मविश्वास नहीं था।

पिछले साल वह जूनियर विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थी और अब सीनियर स्तर पर भी खेलती हैं। अपनी फुर्ती और दिमाग के जबर्दस्त इस्तेमाल से उसने विरोधी के पैर पर लगातार हमले बोले। दाहिने पैर पर हमला बोलकर उसने विरोधी को चित कर दिया। सविता ने 62 किलोवर्ग के फाइनल में वेनेजुएला की ए पाओला मोंटेरो चिरिनोस को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। उसने पहले ही राउंड के बाद नौ अंक की बढत बना ली थी और दूसरे राउंड की शुरूआत में ही एक भी अंक गंवाये बिना जीत दर्ज की।

वहीं रीना ने 57 किलोवर्ग में कजाखस्तान की शुगीला ओमिरबेक को 9 . 4 से हराया। इससे पहले उसने दिन में दो रेपेशॉज दौर जीतकर पदक की दौड़ में जगह बनाई थी। अंतिम कुंडू को फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी एनिको एलेकेस ने 9 . 2 से हराया। हर्षिता ने मोलदोवा की एमिलिया क्रेसियुन को हराकर भारत को एक और पदक दिलाया।

भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने पुरुष और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते

बाकू (अजरबेजान) (एजेंसी)। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्वकप के चौथे चरण में शनिवार को यहां पुरुष और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। अभिषेक वर्मा, ओजस देवतले और प्रथमेश जावकर की चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने क्रिस शेफ़, जेम्स लुत्ज़ और सॉयर सुलिवन की दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी टीम को 236-232 से हराया। इस महीने के शुरू में बर्लिन में विश्व चैंपियन बनने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कंपाउंड महिला टीम ने मैक्सिको के खिलाफ कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद एक अंक से जीत दर्ज की। भारत ने इस तरह से सत्र के आखिरी विश्वकप में अभी तक दो स्वर्ण और इतने ही कांस्य पदक जीत लिए हैं। ज्योति व्यक्तिगत वर्ग में भी पदक की दौड़ में शामिल है।

भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम पहले दौर के बाद एक अंक से पीछे चल रही थी क्योंकि अमेरिकी टीम में 60 अंक का परफेक्ट स्कोर बनाया था। भारतीय टीम ने हालांकि निरंतरता बनाए रखी और अगले दौर में भी 59 का स्कोर बनाया। दूसरे दौर में अमेरिकी टीम ने दो अंक गंवाए जिससे स्कोर 118-118 से बराबर हो गया। तीसरे दौर में भी दोनों टीमें बराबरी पर रही लेकिन भारतीय टीम ने चौथे दौर में परफेक्ट 60 का स्कोर बनाया और अपने से अधिक रैंकिंग की अमेरिकी टीम को चार अंकों से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को हराया था। दोनों टीम नियमित दौर और टाईब्रेकर के बाद भी बराबरी पर चल रही थी लेकिन भारतीय टीम को केंद्र के अधिक करीब निशाने लगाने के कारण विजयी घोषित किया गया।

क्वालिफिकेशन में चोटी पर रहने के कारण शीर्ष वरीयता हासिल करने वाली भारतीय महिला टीम दूसरे दौर के बाद 118-117 से आगे चल रही थी। तीसरे दौर में उसने तीन अंक गंवाए जबकि मैक्सिको की एंड्रिया बेसेरा, एना हर्नांडेज़ जियोन और डेफने क्विंटेरो ने 59 का स्कोर बनाकर 176-175 की बढ़त ले ली। भारतीय टीम ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और अंतिम दौर में 59 का स्कोर बनाकर 234-233से स्वर्ण पदक जीता। भारत ने इससे पहले रिकर्व टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीते। धीरज बोम्मदेवरा, अतनु दास और तुषार प्रभाकर शेल्के की रिकर्व पुरुष टीम ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्पेन के पाब्लो आचा, युन सांचेज़ और एंड्रेस टेमिनो को हराकर कांसे का तमगा हासिल किया। इसके बाद भजन कौर, अंकिता भकत और सिमरनजीत कौर की रिकर्व महिला टीम ने शूटऑफ में मैक्सिको की एलेजांद्रा वालेंसिया, एंजेला रुइज़ और ऐडा रोमन को हराकर कांस्य पदक जीता।

एशिया कप देखने पाकिस्तान जाएंगे जय शाह? पीसीबी ने भेजा न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप का आयोजन इस वर्ष पाकिस्तान में होने जा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई सचिव और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह को एशिया कप का उद्घाटन मैच देखने के लिए न्यौता भेजा है। एशिया कप का पहला मुकाबला 30 अगस्त को खेला जाएगा।

एशिया कप का पहला मुकाबला पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में होना है। पीसीबी ने इस मुकाबले को देखने के लिए सिर्फ जय शाह को ही न्यौता नहीं भेजा है बल्कि एशिया कप में हिस्सा लेने वाली टीमों के अन्य बोर्डों के प्रमुख को भी मैच देखने का निमंत्रण दिया है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि शाह को निमंत्रण भेजा गया है लेकिन उनके पाकिस्तान आने की संभावना काफी कम है।

सूत्र ने कहा, ''पीसीबी के अध्यक्ष जाका अशरफ ने आईसीसी की बैठक के दौरान डरबन में जय शाह को मौखिक रूप से निमंत्रण दिया था। बोर्ड ने अब औपचारिक निमंत्रण भेजा है।'' पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक शाह ने पीसीबी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, लेकिन बीसीसीआई सचिव ने इस दावे का खंडन किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा संबंधों से वाकिफ सूत्र ने कहा कि पीसीबी शाह को निमंत्रण देकर यह दिखाना चाहता है कि वह खेल को राजनीति के साथ नहीं जोड़ता है। एशिया कप 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका के स्थलों पर आयोजित किया जाएगा।

इस दिन होगा भारत और पाकिस्तान का मैच

एसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने ही 19 जुलाई को एशिया कप के कार्यक्रम की घोषणा की थी। इस वर्ष 30 अगस्त से टूर्नामेंट शुरू होने वाला है। पाकिस्तान में इस दौरान चार और श्रीलंका में नौ मुकाबले खेले जाने है। भारत इस टूर्नामेंट की शुरुआत दो सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। टूर्नामेंट में भारत पाकिस्तान और नेपाल के साथ ग्रुप ए का हिस्सा है। वहीं बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमें ग्रुप बी का हिस्सा हैं। दोनों ही टीमों की शीर्ष दो टीमों सुपर 4 राउंड में पहुंचेंगी। सुपर 4 में जीत हासिल करने वाली टीमों को फाइनल खेलने को मिलेगा।

बुमराह की कप्तानी में दूसरा टी 20 जीतने आज उतरेगा भारत

आयरलैंड को अपने अनुभवी खिलाड़ियों से उम्मीद

डबलिन (एजेंसी)। कप्तान जसप्रीत बुमराह की शानदार वापसी से गदगद भारतीय टीम रविवार को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। भारत इसके साथ ही बेहतर मौसम की भी उम्मीद करेगा जिससे उसके युवा बल्लेबाजों को अपना कौशल दिखाने का मौका मिले। बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण ने सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को सात विकेट पर 139 रन ही बनाने दिए। लेकिन भारतीय पारी में बारिश के कारण उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों को खेलने का मौका नहीं मिला। टीम ने जब 6.5 ओवर में दो विकेट पर 47 रन बनाए थे तभी बारिश आ गई जिसके कारण आगे का खेल नहीं हो सका। इसके बाद भारत ने यह मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से दो रन से जीता।

भविष्य के भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उम्मीद कर रहे होंगे कि उन्हें क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने का मौका मिलेगा। पहले मैच में अच्छी शुरुआत के बाद आउट होने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बड़ी पारी खेलने का प्रयास करने वाले हैं। जबकि पहली गेंद पर आउट होने वाले तिलक वर्मा भी वेस्टइंडीज दौरे की अपनी फॉर्म बरकरार रखने की कोशिश कर सकते हैं। भारत के शीर्ष क्रम में अधिकतर वही खिलाड़ी हैं जिन्होंने हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया। सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में खेल रही भारतीय टीम की बल्लेबाजी में विकेटकीपर संजू सैमसन ही कुछ अनुभवी हैं। चोटों के कारण परेशान रहे ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने का अनुभव रखते हैं और बुमराह बल्लेबाजी में उनकी सेवाएं भी ले सकते हैं।

बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा ने चोटों से उबरकर शानदार वापसी की। इन दोनों तेज गेंदबाजों ने पहले मैच में दो-दो विकेट लिए। कृष्णा का यह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला मैच भी था। यहां जिस तरह की परिस्थितियां हैं उसमें टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण होता है। भारत मामले में पहले मैच में भाग्यशाली रहा। मैच में दो विकेट लेने वाले लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने बाद में स्वीकार किया कि भारत को टॉस जीतने का फायदा मिला।

जहां तक आयरलैंड का सवाल है, तब उसकी टीम बुमराह से पहले ओवर में मिले दो झटकों से वापसी करने में सफल रही थी। उसकी टीम को अगर सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद मजबूत भारतीय टीम को चुनौती देनी है, तब आयरलैंड को खेल के हर विभाग में बेहतर करना होगा। आयरलैंड को यदि भारत के सामने चुनौती पेश करनी है, तब उसके अनुभवी खिलाड़ियों पॉल स्टर्लिंग, एंड्रयू बालबर्नी, जोशुआ लिटिल, क्रेग यंग और जॉर्ज डॉकरेल को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम हैं

भारत: जसप्रीत बुमराह (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज़ अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, आवेश खान।

आयरलैंड: एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, रॉस अडायर, मार्क अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, बेन व्हाइट, क्रेग यंग, थियो वैन वेर्कोम।

राहुल के एशिया कप के लिए श्रीलंका जाने की उम्मीदें

बेंगलुरु ।केएल राहुल के आगामी विश्कप तक फिट होने की उम्मीद बढ़ गयी है। राहुल ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का अभ्यास किया।इसे देखते हुए पूरी संभावना है कि राहुल एशिया कप के लिए भी श्रीलंका जा सकते हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन 21 अगस्त को होगा। राहुल ने एनसीए में मैच के हालातों के हिसाब से आयोजित अभ्यास कार्यक्रम में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करके अपनी फिटनेस दिखायी। उन्होंने कहा, 'उन्होंने इस हफ्ते के शुरु से बल्लेबाजी शुरु की थी और अब उन्होंने विकेटकीपिंग भी करना शुरु कर दिया है। राहुल की शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी जल्द ही दिखायी दे रही है पर अभी एनसीए में चोट से उबर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को थोड़ा लंबा समय लग सकता है। श्रेयस भी एनसीए में मैच की परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास कर रहे हैं और मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने फिटनेस में काफी सुधार दिखाया है। हालांकि श्रेयस के संबंध में अंतिम फैसला अगले दो दिन में ही लिया जा सकेगा।राहुल की वापसी से भारतीय टीम प्रबंधन के सिर से बड़ा बोझ कम हो जायेगा क्योंकि वे मध्यक्रम में एक स्थान पक्का कर सकते हैं। राहुल का वनडे में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने सात पारियों में 40.17 के औसत से 241 रन बनाये हैं जिसमें एक सैकड़ा भी शामिल है। राहुल की अनुपस्थिति में भारतीय 'थिंक टैंक ने सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को मध्यक्रम में उतारकर प्रयोग किया लेकिन इनमें से कोई भी निरंतर प्रदर्शन नहीं पाया। राहुल ने भारत के लिए अंतिम वनडे 22 मार्च को चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

दक्षिण अफ्रीका में शुरु होने वाली सीरीज के लिए मिचेल मार्श करेंगे ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

मेलबर्न (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका मैच सीरीज से स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क चोटों के कारण बाहर हो गए हैं। बताया जा रहा है अब दक्षिण अफ्रीका के सीमित ओवरों के दौरे पर मिचेल मार्श ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्णकालिक वनडे कप्तान पैट कमिंस भी कलाई में फ्रैक्चर के कारण टीम से बाहर हैं, हालांकि वह दक्षिण अफ्रीका दौरे के अंतिम चरण में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। स्मिथ अपनी बाईं कलाई की ऐंठन की चोट से जूझ रहे हैं, जिसे ठीक होने में लगभग 4 सप्ताह लगेंगे। स्टार्क इंग्लैंड में हुई एशेज श्रृंखला के बाद कमर में दर्द का अनुभव कर रहे हैं। स्मिथ और स्टार्क दोनों के भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और एकदिवसीय विश्व कप के लिए समय पर फिट होने की उम्मीद है। हालांकि प्रतिष्ठित टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें आराम करने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि एशेज श्रृंखला और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप टीम के लिए थकाने वाले थे। हम विश्व कप की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को बचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व कप टीम की प्राथमिकता है इसलिए यह निर्धारित किया गया था कि स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क के लिए भारत में स्क्वाड में शामिल होना सबसे अच्छा होगा। उनका कहना है कि तब तक हमें उम्मीद है कि वे पूरी तरह से फिट होंगे और भारतीय वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 सितंबर से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगे, जबकि विश्व कप की शुरुआत 5 अक्टूबर को होगी। दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 टीम में स्मिथ की जगह एश्टन टर्नर को लिया गया है, जबकि वनडे टीम में स्मिथ और स्टार्क की जगह मार्नस लाबुशेन और स्पेंसर जॉनसन ने ली है। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध सीमित ओवर दौरे में तीन टी20 और पांच एकदिवसीय मैच शामिल हैं। यह दौरा 30 अगस्त को डरबन में शुरू होगा और 17 सितंबर को जोहान्सबर्ग में समाप्त होगा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम में मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, जेसन बेहरनडॉर्फ, टिम डेविड, नाथन एलिस, एरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टॉइनिस, एश्टन टर्नर, ऐडम जैम्पा होंगे। जबकि ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम में मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, एश्टन आगर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, एरोन हार्डी, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मार्कस स्टॉइनिस, डेविड वार्नर, ऐडम जैम्पा होंगे।

2 दिसंबर से होगा पीकेएल सीजन 10 का आगाज

नई दिल्ली।प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 दो दिसंबर से कैरावन फॉर्मेट में देश के 12 शहरों में खेली जाएगी।प्रो कबड्डी लीग के आयोजक 'मशाल स्पोर्ट्स' के अनुसार इस बार प्रो कबड्डी लीग 2023-24 की मेजबानी करने वाले शहरों की सूची अभी साफ नहीं की गई है।प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 की नीलामी 8 और 9 सितंबर को मुंबई में आयोजित होगी। लीग कमिश्नर, प्रो कबड्डी लीग अनुपम गोस्वामी ने कहा कि हमने देखा है कि पीकेएल पूरे भारत में काफी सफल रहा है और लोग इसे देखना और खेलना पसंद करते हैं।पिछले नौ सफल सीजन के बाद अब पीकेएल अपने ऐतिहासिक 10वें संस्करण में पहुंच गया है और हम खेल को विकसित करने के साथ ही एक ऐसा मंच तैयार करने को लेकर उत्साहित हैं, जिसने कबड्डी के भविष्य को आकार देने के लिए दुनिया भर से प्रतिभाओं को उभरते देखा है।इसमें कोई संदेह नहीं है, हमने एक नई विरासत बनाई है और हम इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए अपने एथलीटों और प्रशंसकों के प्रति भी समान रूप से आभारी हैं।गौरतलब है कि जयपुर पिंक पैंथर्स पिछले दो बार की प्रो कबड्डी चैंपियन है, जबकि पटना पाइरेट्स ने सर्वाधिक तीन बार ट्रॉफी अपने नाम की है।यूपी योद्धा के लिए खेलने वाले परदीप नरवाल प्रतियोगिता में सर्वाधिक 1542 रेड अंक के साथ सबसे सफल रेडर हैं।

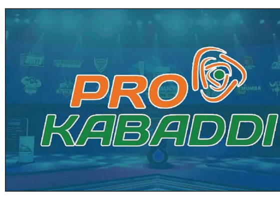

बिश्नोई ने किस गेंदबाज को कहा....उन्हें लय में देखकर अच्छा लगा

डबलिन (एजेंसी)। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा कि हर कोई जसप्रीत बुमराह के इस रूप को देखने को बेताब था, जिन्होंने चोटिल होने के कारण 11 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहने के बाद वापसी की। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टी20 टीम की अगुवाई कर रहे बुमराह ने अपने पहले ओवर में ही 2 विकेट लेकर भारत की जीत की नींव रखी। बुमराह ने 24 रन देकर दो विकेट लिए और चार ओवर के अपने स्पेल में 16 गेंदों पर रन नहीं दिए।

बिश्नोई ने कहा कि वह लगभग 11 महीने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे थे। उनकी पहली गेंद पांवों पर पड़ी लेकिन उसके बाद उनकी अगली 5 गेंद शानदार थी। हर कोई बुमराह के इस रूप को देखने के लिए इंतजार कर रहा था और उन्हें लय में लौटते देखकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि वह जिस तरह के गेंदबाज हैं, क्रिकेट जगत में हर कोई उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखना चाहता है। हर कोई बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा था और उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखकर मजा आया। बिश्नोई ने कहा कि हम थोड़ा दुर्भाग्यशाली रहे जो बारिश के कारण पूरा मैच नहीं हुआ। कुल मिलाकर हम लोगों ने अच्छी क्रिकेट खेली। हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और फिर हमारे सलामी बल्लेबाजों ने हमें अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने कहा कि हमने टॉस जीता जिसका हमें फायदा मिला। अगर वे टॉस जीतते तब उन्हें फायदा मिलता। इस तरह की परिस्थितियों में टॉस अहम भूमिका निभाता है।

आयरलैंड के बल्लेबाजों ने बिश्नोई के सामने रक्षात्मक रवैया अपनाया। लेग स्पिनर ने कहा कि यह निश्चित तौर पर उनकी रणनीति का हिस्सा रहा होगा लेकिन मैं आक्रामक होकर गेंदबाजी कर रहा था तथा अधिक से अधिक विकेट लेने की कोशिश कर रहा था। बिश्नोई हाल में समाप्त हुए वेस्टइंडीज दौरे में भारत की सीमित ओवरों की टीम के सदस्य थे लेकिन उन्हें केवल एक मैच में खेलने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन मैचों से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

पाक अफगानिस्तान सीरीज 22 अगस्त से, अशरफ और शकील शामिल

लाहौर। अफगानिस्तान के खिलाफ श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है।इस सीरीज के लिए पाक की 18 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर फहीम अशरफ और सऊद शकील को भी शामिल किया गया है।इसके साथ ही पाक चयनकर्ताओं ने तैयब ताहिर को भी टीम में जगह दी है। ताहिर इस सीरीज से एकदिवसीय पदार्पण करेंगे।यह सीरीज अफगानिस्तान में होनी थी पर राजनीतिक तनावों के कारण दोनों बोर्ड ने श्रीलंका के तटस्थ स्थल पर ही सीरीज कराने का फैसला किया।अशरफ ने पाकिस्तान की ओर से अंतिम बार एकदिवसीय मुकाबला जुलाई 2021 में खेला था।वहीं शकील ने इस प्रारूप में अंतिम मुकाबला मार्च 2022 में खेला था।ताहिर ने अभी तक तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।हाल में मुख्य चयनकर्ता बने पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने टीम के निदेशक मिकी आर्थर और मुख्य कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के साथ सलाह के बाद 18 खिलाड़ियों की एक सूची भी जारी की है।टीम श्रीलंका रवाना होने से पहले 14 से 16 अगस्त तक तीन दिवसीय अभ्यास शिविर में भाग लेगी। पाक टीम इस प्रकार है - अब्दुल्ला शफीक, फखर जमां, इमाम उल हक, बाबर आजम (कप्तान), सलमान अली आगा, इफ्तिखार अहमद, तैयब ताहिर, सऊद शकील (केवल अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), शादाब खान (उप कप्तान), मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, फहीम अशरफ, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह और शाहीन अफरीदी।

दादा ने शोएब अख्तर की बोलती बंद की ...तिलक को लेकर दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय स्टार खिलाड़ी विराट कोहली को वर्ल्ड कप 2023 के बाद 50 ओवर फॉर्मेट से संन्यास लेने की बेतुकी सलाह दी थी। उनकी सलाह पर पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ऐसा बयान दिया है जिससे शोएब की बोलती बंद हो जाएगी। कोहली फिलहाल 34 साल के हैं और वह भारत के लिए सभी फॉर्मेट में क्रिकेट खेल रहे हैं। हाल ही में कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 15 साल भी पूरे किए हैं।

शोएब अख्तर ने कोहली को लेकर एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि कोहली को वर्ल्ड कप के बाद 50 ओवर फॉर्मेट खेलना चाहिए। अख्तर ने इसके अलावा किंग कोहली को अगले 6 साल और क्रिकेट खेलते हुए देखने की इच्छा जाहिर की है। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब का कहना है कि विराट लिमिटेड ओवर क्रिकेट को छोड़कर टेस्ट पर फोकस करें और वहां शतक पर शतक लगाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़े। विराट के नाम फिलहाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 76 सेंचुरी है।

अख्तर के बयान पर दादा का रिएक्शन आया है। गांगुली से जब इस लेकर सवाल किया गया तब उन्होंने कहा क्यों? कोहली को जो क्रिकेट खेलना है,वहां खेलना चाहिए क्योंकि वह प्रदर्शन करता है। गांगुली ने कहा कि अगर आईसीसी विश्व कप 2023 में श्रेयस अय्यर उपलब्ध नहीं होते हैं, तब भारत को चौथे नंबर पर बल्लेबाज तिलक वर्मा को उतारना चाहिए।

गांगुली ने कहा, किसने कहा है कि हमारे पास चौथे नंबर के लिए विकल्प नहीं है। हमारे पास अनेक बल्लेबाज हैं जो इस क्रम पर खेल सकते हैं। मेरी सोच अलग है, मैं अलग ढंग से देखता हूं। यह बेहतरीन टीम है। तिलक वर्मा भी एक विकल्प है चूंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज है।

गांगुली ने कहा, तिलक बेहतरीन युवा क्रिकेटर है। उसके पास ज्यादा अनुभव नहीं है लेकिन वह मायने नहीं रखता। मैं यशस्वी जायसवाल को भी शीर्षक्रम में देखना चाहता हूं। उसमें अपार प्रतिभा है और वह बेखौफ खेलता है। यह बेहतरीन टीम है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान दौरे के लिए की महिला टीम घोषित

केप टाउन ।एक सितंबर से शुरू होने वाले पाकिस्तान दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है।मिली जानकारी के अनुसार टीम पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी20 और 3 एक दिवसीय मैच खेलेगी।अंतरिम कप्तान सुने लुस अब टीम का नेतृत्व नहीं करेंगी हालांकि दौरा शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के कप्तान का ऐलान किया जाएगा।आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के शानदार प्रदर्शन के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी।हालांकि वनडे आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 चक्र का हिस्सा होंगे।

रुही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप़प़र फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

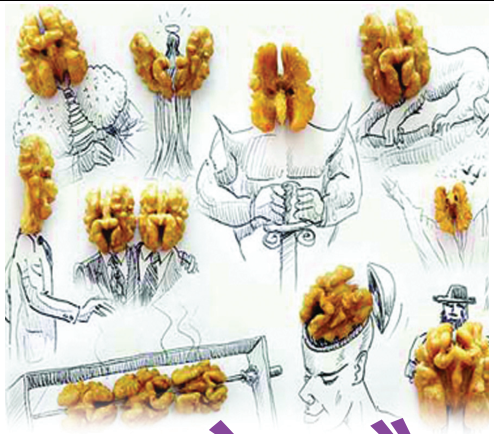

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यत: सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

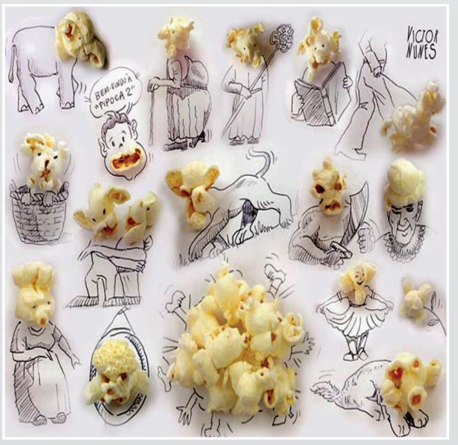

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

463 मिलियन डॉलर धोखाधड़ी की साजिश करने वाले लैब मालिक को हुई जेल

न्यूयॉर्क । एक भारतीय मूल के 44 वर्षीय लैब मालिक को 463 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने के आरोप में जेल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार आनुवंशिक और अन्य प्रयोगशाला परीक्षणों में 463 मिलियन डॉलर से अधिक जमा करके मेडिकेयर को धोखा देने के लिए 27 साल की जेल की सजा सुनाई गई। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, मीनल पटेल की अटलांटा स्थित लैबसोल्यूशंस एलएलसी को मेडिकेयर के साथ नामांकित किया गया था और उसने परिष्कृत आनुवंशिक परीक्षण किए थे। पटेल ने टेलीमार्केटिंग कॉल के साथ मेडिकेयर लाभार्थियों को लक्षित करने के लिए रोगी दलालों, टेलीमेडिसिन कंपनियों और कॉल सेंटरों के साथ साजिश रची। न्याय विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कॉल में झूठा कहा गया कि मेडिकेयर महंगे कैंसर आनुवंशिक परीक्षणों को कवर करता है। मेडिकेयर लाभार्थियों द्वारा परीक्षण कराने के लिए सहमत होने के बाद, पटेल ने टेलीमेडिसिन कंपनियों से परीक्षणों को अधिकृत करने वाले डॉक्टरों के हस्ताक्षरित आदेश प्राप्त करने के लिए रोगी दलालों को रिश्वत का भुगतान किया। दलाली और रिश्वत को छुपाने के लिए, पटेल ने धैर्यवान दलालों से फर्जी अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने की मांग की, इसमें गलत तरीके से कहा गया था कि दलाल लैबसॉल्यूशंस के लिए वैध विज्ञापन सेवाएं दे रहे थे। हालांकि पटेल को पता था कि दलाल मेडिकेयर लाभार्थियों को धोखे से मार्केटिंग कर रहे थे और आनुवंशिक परीक्षण नुस्खों के लिए टेलीमेडिसिन कंपनियों को रिश्वत दे रहे थे। न्याय विभाग के आपराधिक प्रभाग में कार्यवाहक सहायक अटॉर्नी जनरल निकोल एम, अर्जेंटीना के कार्यवाहक सहायक अटॉर्नी जनरल निकोल एम ने कहा कि अब तक के सबसे बड़े आनुवंशिक परीक्षण धोखाधड़ी मामलों में से एक में फैसला सुनाए जाने की कोशिश में, आज की सजा स्पष्ट करती है कि विभाग उन लोगों के लिए न्याय की मांग करेगा जो मरीजों की देखभाल से ऊपर मुनाफा रखते हैं, इसमें मालिक और अधिकारी भी शामिल हैं। पटेल को पता था कि टेलीमेडिसिन डॉक्टर महंगे आनुवंशिक परीक्षण के लिए नुस्खे पर हस्ताक्षर करते हैं, भले ही वे लाभार्थियों का इलाज नहीं कर रहे थे, अक्सर उनसे बात भी नहीं करते थे, और चिकित्सा आवश्यकता का कोई मूल्यांकन नहीं करते थे।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने आयुष्मान भारत योजना को बताया दुनिया की सबसे बड़ी पहल

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनोम घेबियस ने आयुष्मान भारत योजना को दुनिया की सबसे बड़ी पहल बताया है। उन्होंने स्वास्थ्य कवरेज और योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए भारत की सराहना की। डॉ. टेड्रोस ने गुजरात के गांधीनगर में चल रही जी20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। अपने संबोधन की शुरुआत में डॉ. टेड्रोस ने जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी में भारत के शानदार आतिथ्य और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए भारत को धन्यवाद दिया। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि मैं यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज और आयुष्मान भारत योजना को आगे बढ़ाने में भारत के कदमों की सराहना करता हूं, जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य आश्वासन पहल है। उन्होंने एक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र की अपनी यात्रा को भी याद किया और वहां प्रदान की जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि मैंने यहां गांधीनगर में एक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र का दौरा किया और एचडब्ल्यूसी द्वारा 1000 घरों को प्रदान की जा रही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से प्रभावित हुआ। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने गुजरात में प्रदान की गई टेलीमेडिसिन सुविधाओं की भी सराहना की और वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य पहल के लिए भारत के जी20 प्रेसीडेंसी को धन्यवाद दिया। ट्रेडोस ने कहा कि मैं यहां प्रदान की जा रही टेलीमेडिसिन सेवाओं की सराहना करता हूं, जो स्थानीय स्तर पर नुस्खे और उपचार प्रदान करती हैं। यह स्वास्थ्य सेवा में बदलाव का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मैं वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य पहल में नेतृत्व लेने के लिए भारत जी20 प्रेसीडेंसी को भी धन्यवाद देता हूं, जिसे भारत सरकार द्वारा शुरू किया जा रहा है।

हिलेरी तूफान ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया, दक्षिण-पश्चिम में भारी बारिश व बाढ़ का कहर

न्यूयॉर्क । हिलेरी तूफान ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया है। यहां हो रही भारी बारिश और भीषण बाढ़ के कहर से लोगों का जीवन खतरे में आ गया है। मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका और कैलिफ़ोर्निया के कुछ हिस्सों में भारी बाढ़ की आशंका है। हिलेरी से कैलिफ़ोर्निया, नेवादा और एरिज़ोना के कुछ हिस्सों में एक साल से अधिक की बारिश हो सकती हैं। कैलिफ़ोर्निया के कुछ हिस्सों में भारी बाढ़ की आशंका है। नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार हिलेरी श्रेणी 4 का एक शक्तिशाली तूफान है, जो शुक्रवार दोपहर मैक्सिको के काबो सान लुकास से लगभग 360 मील दक्षिण में तेज हवाओं के साथ 145 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा था। वहीं दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के कुछ हिस्सों को पहली बार शुक्रवार को उष्णकटिबंधीय तूफान की निगरानी में रखा गया था। पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार इससे व्यापक बाढ़ आ सकती है, जो तबाही के लिए पर्याप्त है। वहीं तूफान केंद्र ने कहा कि उसे उम्मीद है कि तूफान हिलेरी शनिवार रात जब बाजा कैलिफोर्निया प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पहुंचेगा। लेकिन रविवार दोपहर दक्षिणी कैलिफोर्निया से टकराने से पहले यह कमजोर होकर एक उष्णकटिबंधीय तूफान में बदल जाएगा। हालांकि तूफान हिलेरी के दक्षिणी कैलिफोर्निया की ओर बढ़ने की खबर ने लगभग 84 साल पहले राज्य में आए उष्णकटिबंधीय तूफान एल कॉर्डोनाज़ो की याद दिला दी है। गौरतलब है कि एल कॉर्डोनाज़ो, जो सितंबर 1939 में लॉन्ग बीच पर पहुंचा था, कैलिफोर्निया में दर्ज किया गया आखिरी उष्णकटिबंधीय तूफान है।

ब्रजील में पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो के करीबी पुलिस वाले गिरफ्तार

ब्रासीलिया। ब्राजील की संघीय पुलिस ने ब्रासीलिया में सरकारी भवनों पर आठ जनवरी को हुए हमलों के मामले में दक्षिण पंथी दंगाइयों की मदद करने के आरोप में सात वरिष्ठ सैन्य पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। अभियोजकों का कहना है कि अधिकारियों के मोबाइल फोन में मिले संदेशों से साफ होता है कि ब्रासीलिया की सैन्य पुलिस को पता था कि हमलावरों की मंशा क्या है। अभियोजकों का कहना है कि अधिकारियों ने हमलों को रोकने की कोई कोशिश नहीं की बल्कि उन्होंने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को हटाने और पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को फिर से सत्ता में लाने के दंगाइयों के प्रयासों में उनकी मदद की। फिलहाल अधिकारियों पर कोई आरोप तय नहीं हुए हैं। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में ब्रासीलिया की सैन्य पुलिस के जनरल कमांडर क्लेप्टर रोजा गोंकाल्वेस भी शामिल हैं। पुलिस ने तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिय है। अभियोजकों ने कहा कि सैन्य अधिकारियों को मालूम था कि प्रदर्शनकारियों का इरादा राजधानी पर हमला करने और देश की इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली की वैधता के बारे में गलत जानकारी फैलाने का था। आठ जनवरी को दंगाइयों ने सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति भवन तथा अन्य सरकारी भवन पर हमला किया था।

हवा में विमान, पायलट की हार्टअटैक से मौत... 271 यात्रियों की सांसे फूली

वाशिंगटन । विमान हवा में हो और पायलट की तबीयत बिगड़ जाए इसतरह के कई मामले सामने आएं हैं। ऐसी स्थिति में को-पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग कराई है। लेकिन ताजा मामला और अधिक डराने वाला है। दरअसल, 271 यात्रियों के साथ मियामी से चिली की कमर्शियल फ्लाइट में जो हुआ वह सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। दरअसल, विमान के पायलट की उड़ान के बीच ही मौत हो गई। उड़ान के कमांडर, 56 वर्षीय इवान अंदाउर रात लगभग 11 बजे विमान के वाशरूम में गए। यहां बाथरूम के भीतर ही गिरकर अचानक उनकी मौत हो गई। बाद में मालूम हुआ कि इवान को हार्टअटैक आया था। बाथरूम में हादसे की खबर लगते सह-पायलटों ने पनामा सिटी के टोकुमेन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। यहां जांच के बाद मेडिकल टीम ने साफ कर दिया कि इवान की मौत हो गई है। विमान के उतरते ही दो डॉक्टरों के साथ एक नर्स पायलट की सहायता के लिए दौड़ी। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। एक यात्री ने बताया कि उड़ान के लगभग 40 मिनट बाद, एक सह-पायलट ने विमान में सभी मौजूद डॉक्टरों के लिए अनुरोध जारी किया। जैसे ही अंदार की हालत बिगड़ती गई, स्थिति की गंभीरता को देखकर लैंडिंग पर विमान को खाली कराने का निर्णय लिया गया।

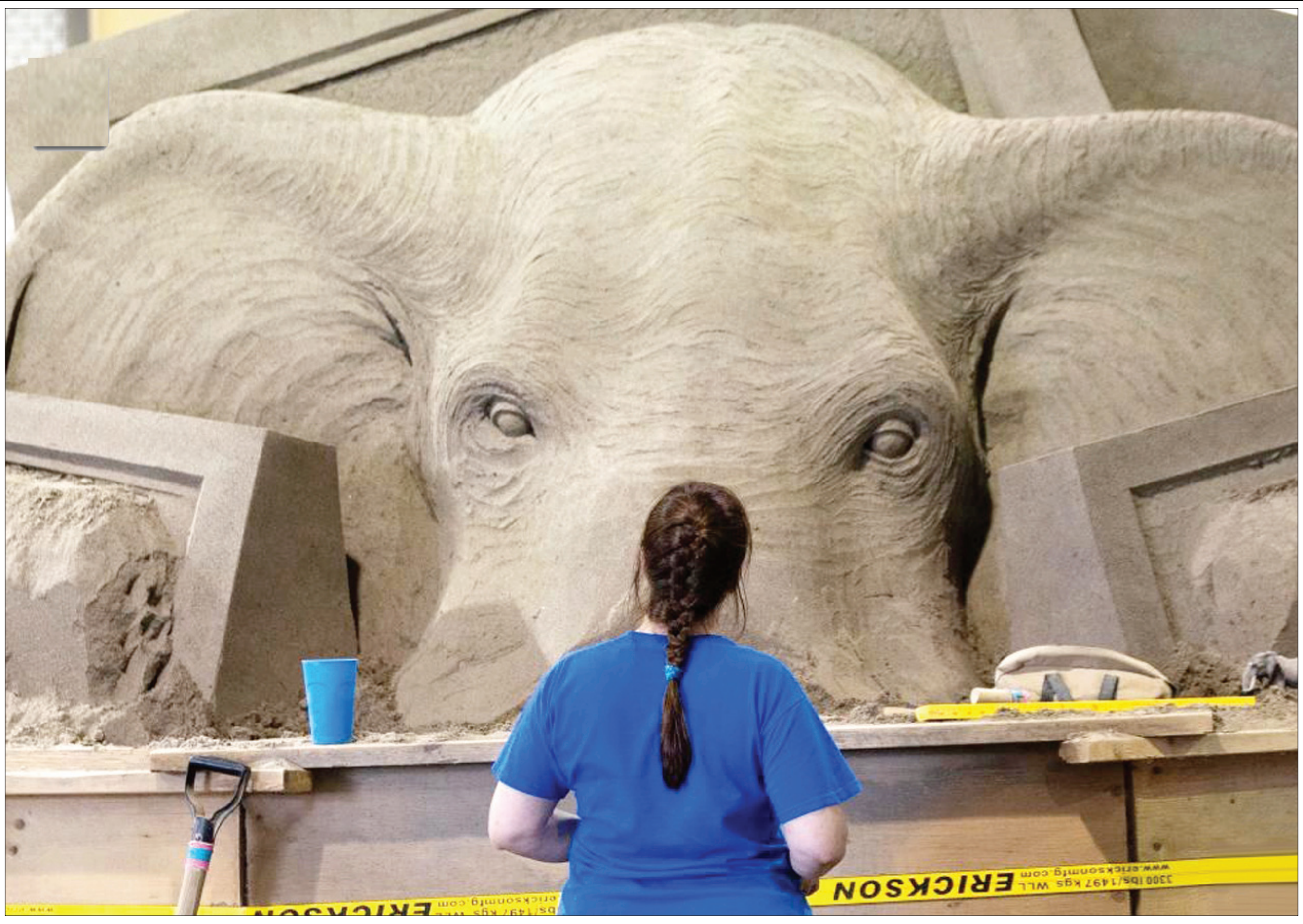

टोरंटो, कनाडा में एक कलाकार कनाडाई राष्ट्रीय प्रदर्शनी (सीएनई) के दौरान अपनी रेत की मूर्ति को देखती हुई। कनाडा में सबसे बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों में से एक के रूप में, 18-दिवसीय प्रदर्शनी शुक्रवार को यहां शुरू हुई।

इमरान की बीवी अपने शौहर की सुरक्षा को लेकर परेशान, जेल में जहर देने की आशंका

इस्लामाबाद। इमरान खान की बीवी अपने शौहर की सुरक्षा को लेकर इन दिनों बेहद परेशान है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि कहीं इमरान को जेल में जहर न दे दिया जाए। जेल से स्थानांतरण को लेकर उन्होंने एक पत्र भी लिखा है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान की पत्नी बुशरा बीवी ने अपने पति की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। बुशरा बीवी का कहना है कि इमरान को अटक जेल में जहर दिया जा सकता है। उन्होंने पंजाब प्रांत के गृह सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि अदालत ने संबंधित अधिकारियों को उनके पति को रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पत्र में मांग की है कि मेरे पति को बिना किसी कारण के अटक जेल में कैद कर दिया गया है। कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक उनको तत्काल अदियाला जेल में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इमरान खान को इस महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। इस्लामाबाद की एक अदालत ने उन्हें 2018-22 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त सरकारी उपहारों की बिक्री से संबंधित तोशाखाना मामले में 3 साल की जेल की सजा सुनाई थी। वहीं 5 साल के लिए चुनाव लड़ने से भी अयोग्य घोषित कर दिया था। इमरान की बीवी बुशरा ने अपने पत्र में मांग की कि पीटीआई प्रमुख को उनकी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति के अनुसार जेल में बी श्रेणी की सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। क्योंकि वह ऑक्सफोर्ड स्नातक और राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान हैं।

अमेरिका देगा यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमान...रुस ने भारत को बुलाकर चौंकाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने डेनमार्क और नीदरलैंड से यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमानों की खेप को देने की मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इन खतरनाक फाइटर जेट विमानों को यूक्रेन भेजने का उद्देश्य रूस की सेनाओं के खिलाफ जंग में यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करना है। अमेरिकी अधिकारी के बयान के मुताबिक यूक्रेन के पायलटों की ट्रेनिंग पूरा होने के बाद वहां पर एफ-16 विमानों की तैनाती होगी। यूक्रेन लंबे समय से रूस के हवाई प्रभुत्व का जवाब देने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए अमेरिका निर्मित एफ-16 लड़ाकू विमानों को दिए जाने की गुहार लगा रहा है।

अमेरिका ने कहा कि वह यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमान मुहैया कराने की प्रक्रिया में तेजी लाएगा। इसके बारे में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने डेनमार्क और नीदरलैंड के विदेश मंत्रियों को पत्र भी भेजा है। ब्लिंकन ने दोनों को लिखे एक पत्र में कहा कि 'मैं यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमानों को देने और योग्य एफ-16 प्रशिक्षकों से यूक्रेनी पायलटों के प्रशिक्षण के लिए अमेरिका का

पूरा समर्थन जताने के लिए यह खत लिख रहा हूं। ब्लिंकन ने कहा कि 'यह महत्वपूर्ण है कि यूक्रेन इस समय अपनी संप्रभुता पर चल रहे रूसी हमले के खिलाफ खुद का बचाव करने में सक्षम हो।

वहीं एक बड़ा कदम उठाकर रूस ने अपने पांचवीं पीढ़ी के सिंगल-सीट वाले अत्याधुनिक लड़ाकू विमान एसयू-75 चेकमेट के विकास प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए भारत और चीन को निमंत्रण दिया है। एसयू-75 चेकमेट के डिजाइन में हाल ही में बड़े बदलाव किए गए हैं। जिसमें दो सीटों वाला एक वेरिएंट और एक मानव रहित वेरिएंट का विकास भी शामिल है। एसयू-75 चेकमेट यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) की सहायक कंपनी सुखोई की योजना है। यह उन्नत लड़ाकू विमान नई पीढ़ी के हल्के बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान के लिए रूस का प्रतिनिधि विमान है।

इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक एसयू-75 चेकमेट को कम रडार सिग्नेचर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के उपयोग से बनाए जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस विशेष रूप से मिग-35 और एसयू-57 की अगली पीढ़ी का फाइटर जेट माना जा रहा है। एसयू-75 चेकमेट की एक बड़ी खासियत यह है कि यह सिंगल-इंजन लड़ाकू विमान के है। यह एक संकेत है कि इस निर्यात बाजार के लिए उन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए बनाया जाना है जो कम बजट में सिंगल इंजन वाले स्टील्थ लड़ाकू विमान की तलाश कर रहे थे। एसयू-75 चेकमेट प्रोग्राम में शामिल होने के लिए भारत और चीन को दिया गया निमंत्रण अत्यधिक रणनीतिक महत्व रखता है। दोनों देशों के पास अपने-अपने महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट प्रोग्राम हैं।

विलियम लाई के अमेरिका दौरे पर भड़का चीन, शुरू किया सैन्य अभ्यास

ताइपे (एजेंसी)। ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के अमेरिका दौरे से चीन इतना भड़क गया कि उसने अपना सैन्य अभ्यास ही शुरु कर दिया। विलियम लाई के संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने से चीन बुरी तरह बौखला गया है। बताया जा रहा है कि उसने भड़कते हुए कड़ी चेतावनी के रूप में ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास शुरू किया। अगले साल ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे चर्चित फेस लाई न्यूयॉर्क में रुके और सैन फ्रांसिस्को के रास्ते पराग्वे की यात्रा पर लौट आए। चीन ने राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए दृढ़ कदम उठाने की कसम खाई। सैन्य प्रवक्ता शी यी के अनुसार चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के पूर्वी थिएटर कमांड ने ताइवान द्वीप के आसपास नौसेना और वायु सेना की संयुक्त हवाई और समुद्री गश्त और सैन्य अभ्यास शुरू किया। अभ्यास, जिसका पैमाना तत्काल ज्ञात नहीं था, इसका उद्देश्य पीएलए की हवाई और समुद्री स्थानों पर नियंत्रण हासिल करने और वास्तविक युद्ध स्थितियों में लड़ने की क्षमता का परीक्षण करना था।

उनका उद्देश्य ताइवान स्वतंत्रता अलगाववादियों की विदेशी तत्वों और उनके उकसावों के साथ मिलीभगत के लिए एक कड़ी चेतावनी के रूप में भी काम करना था। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है और उसने इस पर कब्जा करने के लिए बल प्रयोग से इनकार नहीं किया है। तत्कालीन हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के पिछले साल ताइवान के दौरे के बाद और बाद में जब राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका से गुजरते हुए शीर्ष अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की, तब इसने प्रमुख सैन्य अभ्यास शुरू किया। वाशिंगटन ने लाई के पारगमन पर शांति का आह्वान किया था और यात्रा को नियमित बताया था। लेकिन शनिवार को, सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के ताइवान कार्य कार्यालय के एक अधिकारी ने लाई की यात्रा की कड़ी निंदा करते हुए इसे उनकी डीपीपी द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आगे बढ़ने के लिए भड़काऊ कदम बताया।

नर्स बनी सीरियल किलर, अस्पताल में की 7 बच्चों की हत्या

– नर्स पर मुकदमा चल रहा था, अब कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए उसे दोषी साबित कर दिया, होगी उम्रकैद

लंदन (एजेंसी)। रौंगटे खड़े कर देने वाला एक मामला ब्रिटेन से साल 2017 के जून महीने सामने आया था, जहां एक नर्स ने हैवानी रूप धारण कर अस्पताल में ही 7 बच्चों की हत्या कर दी थी, जबकि 6 अन्य बच्चों को मारने की फिराक में थी। अब इस मामले पर बड़ा फैसला सामने आया है। नर्स पर मुकदमा चल रहा था, जिसके ऊपर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए उसे दोषी साबित कर दिया है। यह नर्स आधुनिक ब्रिटिश इतिहास में सबसे खराब बाल सीरियल किलर बन गई है, जिसका नाम लुसी लेटबी है। लुसी लेटबी को उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए रखा गया था। लुसी ने 1 किलोग्राम (2 पाउंड) से कम बच्चे को हवा का इंजेक्शन दिया था और 10 सप्ताह पहले पैदा हुई एक बच्ची की हत्या की थी। कुल 7 बच्चों की उसने हत्या की थी। लेटबी पर जून 2015 और जून 2016 के बीच विभिन्न तरीकों से नवजात शिशुओं को निशाना बनाने का आरोप है, जिसमें उन्हें इंसुलिन, हवा या दूध के इंजेक्शन देना भी शामिल है। उसे जुलाई 2016 में नवजात शिशु इकाई से हटा दिया गया था, लेकिन दो साल बाद उसकी गिरफ्तारी से पहले वह लिपिक कर्तव्यों पर अस्पताल में काम करती रही।

मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट में जैसे ही फैसला सुनाया गया तो नर्स नाटकीय तरीके से हांफने लगी और रोने लगी। लेटबी ने बाद के फैसले सुनने के लिए अदालत में लौटने से इनकार कर दिया, लेकिन पहले उसने अपना सिर झुका लिया और सिसकने लगी, जबकि उसकी मां, सुसान, जोर से रोई और कहा, आप गंभीर नहीं हो सकते। यह सही नहीं हो सकता। लुसी लेटबी अब सलाखों के पीछे जाएगी। उसने जब घटना को अंजाम दिया था तो उसकी उम्र 30 साल थी। उम्मीद है कि सोमवार को जब उसे सजा सुनाई जाएगी तो वह पूरी उम्र कैद की सजा पाने वाली तीसरी जीवित महिला बन जाएगी। जिसका मतलब है कि उसे कभी भी जेल से रिहा नहीं किया जाएगा।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया व जापान मिलकर करेंगे खतरे की स्थिति से निपटने की चर्चा

–त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान तीनों देशों के शीर्ष नेता समझौते पर हुए सहमत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान तीनों देश मिलकर खतरे की स्थितियों से निपटने की चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया और चीन से पैदा हुई असुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए इन तीनों देशों ने अपनी साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने का फैसला किया है। आम खतरे की स्थिति में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा एक दूसरे से बात करने पर सहमत हुए। अमेरिका के मैरीलैंड में कैंप डेविड प्रेसिडेंशियल रिट्रीट में आयोजित एक त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान तीनों नेता इस समझौते पर पहुंचे। इसे जापान, कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच परामर्श करने की प्रतिबद्धता कहा गया। यह तीन देशों के बीच पहली ऐसी साझेदारी होने जा रही है। बयान में कहा गया कि हम, जापान, कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमेरिका के नेता, हमारी सरकारों को हमारे सामूहिक हितों को प्रभावित करने वाली क्षेत्रीय चुनौतियों, उकसावों और खतरों के प्रति हमारी प्रतिक्रियाओं को समन्वित करने के लिए एक-दूसरे के साथ त्रिपक्षीय परामर्श करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दस्तावेज़ में हालांकि खतरे या चुनौती के प्रकार के बारे में नहीं बताया गया है। लेकिन दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के एक अधिकारी ने व्यापार विवाद, उत्तर कोरियाई मिसाइल खतरा, समुद्र में गंभीर उकसावे, या अंदर या बाहर किसी भी खतरे जैसे उदाहरणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, तीनों में से कोई देश किसी विशेष खतरे को खतरा न मानकर सूचना साझा नहीं करता है, तो यह उसकी अपनी जिम्मेदारी होगी। दस्तावेज़ में कहा गया है कि हमारे देश हमारे सुरक्षा हितों या संप्रभुता को बनाए रखने के लिए सभी उचित कार्रवाई करने की स्वतंत्रता रखते हैं। एक संयुक्त बयान में शामिल व्यापक समझौते में तीनों देशों के नेताओं, विदेश मंत्रियों, रक्षा मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच वार्षिक त्रिपक्षीय बैठकें आयोजित करने का फैसला किया गया।

इसके अलावा तीनों देशों ने वार्षिक आधार पर त्रिपक्षीय रक्षा अभ्यास आयोजित करने और उत्तर कोरिया पर मिसाइल चेतावनी डेटा की जानकारी साझा करने की योजना की घोषणा की। वे उत्तर कोरियाई साइबर खतरों से निपटने और इसके साइबर-सक्षम प्रतिबंधों से बचने के लिए एक नया त्रिपक्षीय कार्य समूह स्थापित करने पर भी सहमत हुए। इसके अलावा, तीनों देश उत्तर कोरिया में मानवाधिकार की स्थिति में सुधार करने और अपहरण, बंदियों और अप्रत्यावर्तित युद्धबंदियों के मुद्दों को हल करने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। बयान में कहा गया है कि हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास का कड़ा विरोध करते हैं।

पाकिस्तान के नेता सेना के गुलाम, आर्मी के अत्याचारों से परेशान लोगों ने कहा- हालात नहीं सुधरे तो अलग देश की मांग करेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों से परेशान होकर देश के अल्पसंख्यक अब अलग देश की मांग करने लगे हैं। पाकिस्तान में बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर कहा है कि अगर देश में हालात नहीं सुधरे तो वे अलग राष्ट्र की अपनी मांग तेज कर देंगे। पाकिस्तान में पश्तूनों की ओर से इस्लामाबाद के सुप्रीम कोर्ट के सामने एक बड़ी रैली का आयोजन किया गया। रैली में पश्तून नेता मंजूर पश्तीन सेना को चुनौती देते हुए कहते दिखे कि वे अलग देश की मांग करते रहेंगे। पश्तीन को रैली के दौरान यह कहते हुए सुना गया कि पाकिस्तान के नेता सेना जनरलों के गुलाम हैं। पाकिस्तान के अलग-अलग इलाकों पर हमले कर रहे तालिबान के पीछे पाकिस्तानी सेना का भी हाथ है। पश्तूनों के खिलाफ अत्याचार बंद होने चाहिए और पाकिस्तानी सेना को तालिबान को तुरंत रोकना चाहिए। पश्तीन ने शुक्रवार की रैली के दौरान कहा कि अगर आप पाकिस्तान को ठीक से चलाने में असमर्थ हैं, तो आपको हर दिन उन्हीं समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जो हमें आजादी की मांग करने के लिए मजबूर करेंगी।

दो तरफा मुश्किल में फंसा वह दोस्त जिसका दिल भारत के लिए धड़कता है, क्या करेंगे पीएम मोदी?

(एजेंसी)। अगर इतिहास पर हम नजर डालें तो पता चलेगा कि भारत और इजरायल एक-दूसरे का आजमाया हुआ साथी है। जैसे 32 दांतो के बीच जीभ रहती है वैसे ही अरब राष्ट्रों के बीच इजरायल है। वह दुनिया का एक अकेला ऐसा देश है जो बहुत ही छोटा होने व इतने आक्रामक पड़ोसियों से घिरा होने के बावजूद अपनी शर्तों पर जी रहा है। भारत और इजरायल के संबंधों के बारे में अक्सर कहा जाता है कि दोनों देशों के बीच गोपनीय प्रेम संबंध तो बहुत पहले से है। लेकिन भारत का पक्का दोस्त इजरायल काफी समय से मुश्किलों का सामना कर रहा है। इजरायल में अंदर और बाहर दोनों से हमले हो रहे हैं। इजरायल के साथ वैसा ही हो रहा है जैसा कुछ कुछ भारत के साथ होता आया है। इजरायल भी कट्टरपंथियों के चंगुल में फंस चुका है। हालात तो इतने बुरे हो गए हैं कि इजरायल पर आरोप तक लगा दिया गया है कि यूरोप में जो कुरान जलाई जा रही है वो इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के कहने पर किया गया है। इजरायल में इस साल की शुरुआत से ही लोग सरकार विरोधी रैलियों और प्रदर्शन का हिस्सा बन रहे हैं।

ईरान ने आरोप लगाया है कि स्वीडन में जो कुरान जलाई गई है उसके पीछे इजरायल है। ईरान ने दावा किया है कि स्वीडन में कुरान जलाने वाला शख्स सलमान मोमिका मोसाद का एजेंट है। बता दें कि स्वीडन में रहने वाले 37 वर्षीय इराकी नागरिक सलवान मोमिका ने 28 जून को स्टॉकहोम मस्जिद के बाहर कुरान को कुचल दिया और कई पन्ने जला दिए, जिससे दुनिया भर के मुसलमानों में व्यापक गुस्सा फैल गया। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने दावा किया कि कुरान को जलाने का मोमिका का कृत्य इजरायल का प्रोपेगेंडा है। इसका उद्देश्य फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजरायली अभियानों से ध्यान भटकाना था। इसमें वेस्ट बैंक में जेनिन शरणार्थी शिविर पर हाल ही में इजरायली हमले का संदर्भ दिया गया था। ईरान ने कहा कि अपने भयावह अभियानों से ध्यान हटाने के लिए आपराधिक परियोजनाओं को लागू किया गया।

यानी दुनियाभर के मुस्लिम देशों में इजरायल के खिलाफ नफरत की आग भड़काई जा रही है। ऐसा तब हो रहा है जब इजरायल मुस्लिम देशों के साथ पहली बार संबंध सुधारने

की कोशिश कर रहा है। कई कट्टर मुस्लिम देश नहीं चाहते कि दूसरे मुस्लिम देश इजरायल से दोस्ती करें। ये मुस्लिम देश जानते हैं कि इजरायल ने इनसे दोस्ती कर ली तो जिहाद की दुकान बंद हो जाएगी।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या के बाद...चेन्नई पुलिस हाई अलर्ट पर

चेन्नई। तमिलनाडू की राजधानी चेन्नई में 30 से अधिक आपराधिक मामलों वाले हिस्ट्रीशीटर की हत्या के बाद ग्रेटर चेन्नई पुलिस हाई अलर्ट पर है। सुरेश पर हत्या से लेकर जबरन वसूली सहित 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, सुरेश अपने एक दोस्त के साथ दोपहिया वाहन पर पीछे बैठा था तभी छह लोगों के एक गिरोह ने सुरेश को घेर लिया। तभी दोनों ने भागने की कोशिश की लेकिन आरोपियों ने सुरेश और उसके साथी पर हमला कर दिया और लोगों के मौके पर पहुंचने के बाद वे भाग गए। 20 से अधिक हमलों के बाद सुरेश को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना के बाद, पुलिस ने श्रीनिवास पुरम के आसपास के कई स्थानों और चेन्नई शहर के अन्य इलाकों में अपनी निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस ने यह हाई अलर्ट इसकारण किया हैं क्योंकि सुरेश एक ज्ञात अपराधी था जिसके कई गिरोहों से संबंध थे। वह कथित तौर पर कथिरावन की हत्या में भी शामिल है, जो अपराधी कांचीपुरम शंकर मठ के पूर्व कर्मचारी शंकररमन की हत्या का मुख्य संदिग्ध है। इस मामले में शंकर मठ के तत्कालीन प्रमुख जयेंद्र सरस्वती स्वामीगल की गिरफ्तारी हुई है। ऐसा संदेह है कि अर्कोट सुरेश पर हमला रमानी नामक एक गिरोह द्वारा किया गया था, जिस पर कुछ महीने पहले सुरेश और उसके गिरोह ने हमला किया था।

योगी सरकार की गाड़ियों पर जातिसूचक शब्द लिखने वालों पर नकेल की तैयारी

उत्तर प्रदेश की सड़कों पर गाड़ियां सिर्फ दौड़ती ही नहीं हैं, इन गाड़ियों के भीतर बैठे लोगों का रूतबा भी बयान करती हैं। गाड़ी के शीशे से लेकर नंबर प्लेट तक पर एक नजारा आम तौर पर देखने को मिलता है। करीब-करीब हर गाड़ी के बाहरी हिस्से पर गाड़ी वाले ही हैसियत का भी बखान करती मिल जाती हैं। नेताओं की गाड़ियों पर आपको बड़े-बड़े अक्षरों में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, किसी पार्टी का प्रदेश या जिला अध्यक्ष जैसे स्टीकर चिपके हुए मिलेंगे, इसी प्रकार सरकारी अधिकारी और पुलिस वाले भी अपना रूतबा दिखाने के लिए कुछ न कुछ लिखाए रहते हैं तो जो न राजनीति में हैं और ना ही किसी रौबदार विभाग में तोवह अपना रूतबा गालिब करने के लिए ठाकुर, क्षत्रिय, पंडित जैसे जातिसूचक शब्द अपनी गाड़ियों में घूमते मिल जाते हैं, जो मोटर अधिनियम के खिलाफ है, लेकिन इस पर कभी किसी सरकार ने गौर नहीं किया। लेकिन अब योगी सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार,बाइक या अन्य वाहनों पर पर ब्राह्मण, जाट, राजपूत, गुर्जर, खान, अंसारी, कुरैशी जैसे जातिसूचक शब्द लिखने वालों की खैर नहीं होगी। सीएम योगी ने वाराणसी दौरे पर इस संबंध में सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस की क्षेत्रों में पेट्रोलिंग नियमित रूप से कराई जाए। वाहनों पर जातिसूचक बोर्ड लगाकर कोई न चलने पाए। इस पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जाए। शहर के सभी सीसीटीवी कैमरे काम करने चाहिए।

बुजुर्ग व्यक्ति ने फ्लाइट में खींची एयर होस्टेस की आपत्तिजनक तस्वीरें

मुंबई। मुंबई जाने वाली फ्लाइट में यात्रा के दौरान बुजुर्ग व्यक्ति ने एयर होस्टेस की आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लीं। यह घटना तब सामने आई जब एक व्लॉगर ने अपने अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। ब्लॉगर ने कहा फ्लाइट (दिल्ली-मुंबई) में, हमारी सीट ए और बी थी, और सी पर एक बुजुर्ग व्यक्ति बैठा था जिसने निंदनीय हरकत की थी। वह आदमी एक फ्लाइट अटेंडेंट के अंडरपैंट का वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश कर रहा था, जब वह उसकी सेवा कर रही थी। व्लॉगर ने कहा कि उस व्यक्ति द्वारा क्लिक की गई अनुचित तस्वीरें उसके फोन पर पाई गईं। जिस महिला की तस्वीरें व्यक्ति ने खींची उस महिला ने कहा देखने के बाद जब मैंने अटेंडेंट को सूचित किया, तब उसने मुझे बताया कि उसे लगा कि वह तस्वीरें खींच रहा था। बाद में, अटेंडेंट के पैर की तस्वीरें, उसके अंडरवेयर और यहां तक कि मेरा वीडियो भी उसके फोन पर पाया गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि कर कहा कि यात्री ने बाद में अपने फोन से तस्वीरें हटाकर अपने कृत्य के लिए माफी मांगी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, 2 अगस्त को दिल्ली से मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ान की पहली पंक्ति में बैठे एक यात्री को केबिन क्रू की तस्वीरें खींचते हुए पाया गया, जबकि वह टेक-ऑफ के समय जंप सीट पर बैठी थी। बयान में कहा गया, चालक दल के सदस्यों ने यात्री का सामना किया। उसने अपने फोन से तस्वीरें हटा दीं और अपने कृत्य के लिए माफी मांगी। यात्री ने लिखित माफी भी दी।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम विभाग ने कहा है कि पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 22 और 23 अगस्त को अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने यह भी कहा है कि मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 19 अगस्त को झमाझम बारिश हो सकती है। गौरतलब है ?कि शुक्रवार को भी बिहार के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश हुई। वहीं शुक्रवार सुबह से दिल्ली में बारिश हो रही है। इससे उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। आईएमडी के मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में 19 से लेकर 23 अगस्त तक अलग-अलग जगहों पर जोरदार बारिश होने वाली है। इस दौरान लोगों को सतर्कता बरतने के लिए भी कहा गया है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट पहाड़ी राज्यों की चिंता बढ़ाने वाली है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों तक मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं, पूर्वी यूपी में भी 22 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। उत्तराखंड के लिए 21 से 23 अगस्त तक का मौसम चिंताजनक है। इस दौरान अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होगी। इसके कारण बाढ़ की नौबत आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को राज्य के 10 जिलों में अलग-अगल स्थानों पर 21 तथा 22 अगस्त को भारी बारिश, तूफान और बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि आगामी 48 घंटे के दौरान निचली और मध्य पहाड़ियों के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के जारी रहने की संभावना है। राज्य में 21 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में तेजी आने का अनुमान है और 24 अगस्त तक कई हिस्सों में बारिश होगी।

16 से 18 साल में सहमति से सेक्स पर....सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका पर केंद्र की मोदी सरकार से जवाब मांगा, जिसमें सहमति से यौन संबंध बनाने के लिए 16 से 18 साल के किशोरों के खिलाफ अक्सर लगाने वाले वैधानिक बलात्कार पर कानून को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का निर्देश देने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वकील हर्ष विभोर सिंघल द्वारा उनकी व्यक्तिगत क्षमता में दायर जनहित याचिका पर ध्यान दिया। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पारदीवाला और न्यायमूर्ति मिश्रा की पीठ ने वकील हर्ष विभोर सिंघल द्वारा उनकी व्यक्तिगत क्षमता में दायर जनहित याचिका पर ध्यान दिया। पीठ ने केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय और गृह मामलों और राष्ट्रीय महिला आयोग सहित कुछ अन्य वैधानिक निकायों को नोटिस जारी किया है। जनहित याचिका वैधानिक बलात्कार कानूनों की वैधता को चुनौती देती है जो 16 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों के बीच सहमति से यौन संबंध को आधार पर अपराध घोषित करते हैं कि इसतरह के कृत्यों के लिए उनकी सहमति वैधानिक रूप से अमान्य है। याचिका में कहा गया कि अनुच्छेद 32 या रिट की प्रकृति में किसी अन्य दिशा के तहत परमादेश की एक रिट पारित करें और किसी भी 16+ से 18 वयस्कों के बीच स्वैच्छिक सहमति से यौन संपर्क के सभी मामलों पर लागू वैधानिक बलात्कार के कानून को कम करने के लिए 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करें।

डाक विभाग को 18861 करोड़ का नुकसान

मुंबई। डाक तार विभाग का व्यवसाय लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही उसका घाटा भी बढ़ता जा रहा है। यह माना जा रहा था, कि व्यवसाय बढ़ने से घाटा खत्म होगा, और डाक तार विभाग लाभ में आएगा। लेकिन व्यवसाय बढ़ने के साथ ही नुकसान भी बढ़ रहा है। सालाना रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में डाक विभाग ने आय के मुकाबले 18861 करोड़ रूपये ज्यादा खर्च किए हैं। 2012-13 में आय और खर्च के बीच में 5426 करोड रुपए का अंतर था।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार पर बरसे अरविंद केजरीवाल, बोले- स्कूलों की हालत बेहद खराब है

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में प्रचार करते हुए, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की 'भयानक' स्थिति को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की। दिल्ली के मुख्यमंत्री राज्य की राजधानी रायपुर में एक चुनावी रैली में बोल रहे थे। उनके साथ उनकी पार्टी के सहयोगी और पंजाब समकक्ष भगवंत मान भी थे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, हम छत्तीसगढ़ में हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने 2-3 बड़े हॉल लेने की कोशिश की लेकिन सरकार ने कैंसल कर दिया। इस बार आप सरकार को कैंसिल कर देना।

हम राजनेता नहीं

केजरीवाल ने कहा कि आज़ादी के 76 साल में क्र इकलौती पार्टी है, कोई और दूसरी पार्टी नहीं जो कहती है- आपके स्कूल बनाएंगे हमें वोट दे दो। आपके अस्पताल बनाएंगे हमें वोट दे दो। उन्होंने कहा, 'मैं एक रिपोर्ट पढ़ रहा था, छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। लेकिन, दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत देखिए। आजादी के बाद पहली बार ऐसी सरकार आई है जो शिक्षा क्षेत्र के लिए इतना कुछ कर रही है।' आप के मुख्य संयोजक ने छत्तीसगढ़ में मतदाताओं से अपनी पार्टी को एक मौका देने की अपील करते हुए कहा, 'हम राजनेता नहीं हैं, हम आपकी तरह सिर्फ आम लोग हैं। हमें छत्तीसगढ़ में एक मौका दें और आप अन्य सभी पार्टियों को भूल जाएंगे।'

भगवंत मान ने क्या कहा

इस बीच, उनके पंजाब समकक्ष भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, ÷हम उनकी तरह 'जुमले' नहीं बनाते हैं, हम वादा करते हैं कि हम क्या पूरा कर सकते हैं।' घोषणापत्र के वादों पर उन्होंने कहा, 'चुनाव से पहले पार्टियां घोषणापत्र जारी करती थीं। अगर एक पार्टी 1 लाख नौकरियों का वादा करती थी, तो दूसरी 2 लाख का वादा करती थी। एक पार्टी घोषणापत्र में लिखती थी कि 5 रुपये किलो चावल देगी और दूसरी पार्टी 4 रुपये किलो लिखती थी। क्योंकि उन्हें बस लिखना था, देने का कोई इरादा नहीं था।' पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, 'फिर शिक्षित लोगों वाली आम आदमी पार्टी आई, जो घोषणापत्र जारी नहीं करती, झूठे वादे नहीं करती। आप गारंटी देती है, जिसे वह पूरा भी करती है।'

सुकेश ने केजरीवाल और सत्येंद्र जैन पर फोड़ा एक और लेटर बम

नई दिल्ली। जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखकर ने एलजी वीके सक्सेना को लेटर लिखकर एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। सुकेश ने केजरीवाल और उनके पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन पर मेडिकल कंपनी से मिलीभगत का आरोप लगाकर तीनों के खिलाफ जांच की मांग की है। सुकेश ने तीन पन्नों के लेटर में कई सनसनीखेज दावे किए हैं। सुकेश का आरोप है कि यह मेडिकल कंपनी आम आदमी पार्टी के साथ करीब से जुड़ी हुई है और हाल ही में दिल्ली सरकार की ओर से इसे कई कॉन्ट्रैक्ट दिए गए हैं। उसने लेटर में अपने आरोपों के समर्थन में कुछ डिटेल भी एलजी को सौंपे हैं। मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखकर ने अपने वकील के माध्यम से यह लेटर एलजी ऑफिस को भेजा है। हालांकि, इस बार लेटर को मीडिया के साथ साझा नहीं किया गया है। वकील की ओर से एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

इससे पहले भी सुकेश अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन को लेकर कई सनसनीखेज दावे कर चुका है। सुकेश ने कहा था कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संजोयक ने उसे अपनी पार्टी के लिए फंड जुटाने का काम दिया था। उसने कहा था कि केजरीवाल और सत्येंद्र जैन ने पंजाब और गोवा चुनाव के दौरान फंडिंग जुटाने के लिए दबाव डाला था। सुकेश ने यह भी दावा किया था कि केजरीवाल ने उससे 50 करोड़ रुपए लिए थे और राज्यसभा की सीट भी ऑफर की थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी सुकेश के आरोपों का खंडन करती रही है। सुकेश चंद्रशेखर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद हैं।

आज मध्यप्रदेश के दौरे पर शाह....भाजपा सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे

-18 साल के विकास की तस्वीर पेश की जाएगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को मध्य प्रदेश में भाजपा के 18 साल से ज्यादा के शासन का रिपोर्ट कार्ड जारी करने वाले हैं। रिपोर्ट कार्ड पिछले दो दशकों में देखी गई प्रगति को उजागर करेगा, कांग्रेस ने सत्तारूढ़ पक्ष के खिलाफ आरोप पत्र जारी करके स्पष्ट रूप से एक मास्टर स्ट्रोक खेल दिया है। भाजपा का रिपोर्ट कार्ड 2003 में सरकार बनाने और आज तक (दिसंबर 2018 से मार्च 2020 को छोड़कर) सत्ता में रहने के बाद प्रगतिशील मध्य प्रदेश की कहानी दिखाएगा। जिसमें से 16 सालों से अधिक समय तक भाजपा सरकार का नेतृत्व वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह की 20 अगस्त की भोपाल और ग्वालियर यात्रा के बारे में विस्तार से बताते हुए, राज्य भाजपा प्रमुख वी.डी. शर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री शाह भोपाल में राज्य में भाजपा शासन के 18 वर्षों से अधिक के गरीब कल्याण (गरीब वर्ग कल्याण) केंद्रित रिपोर्ट कार्ड पेश करने वाले हैं। इसके बाद वह अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में पार्टी की विस्तारित राज्य कार्यकारिणी/कार्य समिति की बैठक में भाग लेने के लिए ग्वालियर जाएंगे। विशेष रूप से, ग्वालियर तीन शक्तिशाली भाजपा नेताओं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया और राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का गृह जिला है। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी का मार्गदर्शन करने के लिए 40 दिनों से भी कम समय में शाह की प्रदेश की यह चौथी यात्रा होगी। इसके पहले, शाह ने 11 और 25 को भोपाल और 30 जुलाई को इंदौर का दौरा किया था। उनका ग्वालियर दौरा विशेष महत्व रखता है, क्योंकि माना जाता है कि भाजपा के अंदरुनी सर्वेक्षणों ने 34 विधानसभा सीटों वाले मजबूत ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में पार्टी की संभावनाओं के लिए निराशाजनक तस्वीर पेश की है।

जैसा कि राज्य भाजपा इकाई ने पहले ही अपने रिपोर्ट कार्ड की तुलना पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार (1993-2003) के 10 साल के शासन से करना शुरू कर दिया है, संभावना है कि सत्तारूढ़ पक्ष इस साबित करने के लिए तीन दशक पहले राज्य की स्थितियों को उजागर करेगा। मध्य प्रदेश के अपने ही स्वर्ण युग के दावे से इनकार नहीं किया जा सकता। अर्थव्यवस्था, शासन, सड़क, बिजली, गरीबी दर और भी बहुत कुछ जैसे विषयों को उजागर करने के लिए भाजपा के आईटी सेल का अभियान पिछले कुछ महीनों से सोशल मीडिया में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के लिए बंटाधार टैग के साथ चल रहा है।

हालांकि, कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने प्रदेश में मास्टर स्ट्रोक खेलकर सीएम चौहान के लगभग दो दशकों के शासन के खिलाफ एक तथाकथित आरोप पत्र जारी किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने विपक्ष के नेता (एलओपी) गोविंद सिंह के साथ घोटाला टाइटल से एक नया पोस्टर जारी किया। अपने आरोपपत्र में कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर 15,000 करोड़ का पोषण आहार घोटाला, 12,000 करोड़ का मिड-डे मील घोटाला, 9,500 करोड़ का आंगनवाड़ी नल-जल घोटाला, 2,000 करोड़ का व्यापम घोटाला और 800 करोड़का पटवारी भर्ती घोटाला का आरोप लगाया है।

कुल मिलाकर, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भाजपा के 18 साल के शासन के दौरान हुए 254 घोटालों की सूची जारी की। जिसमें 50,000 करोड़ रुपये का खनन घोटाला, 86,000 करोड़ रुपये का शराब घोटाला, 94,000 करोड़ रुपये का बिजली घोटाला और 100 करोड़ रुपये का महाकाल लोक घोटाला भी शामिल हैं। सत्तारूढ़ भाजपा को घेरने के लिए पोस्टर घोटाला जारी कर राज्य कांग्रेस प्रमुख कमल नाथ ने सीएम चौहान को ठग-राज करार देकर कहा कि अगले तीन महीनों में कुछ और घोटाले उजागर होने वाले हैं। कमल नाथ ने सीएम शिवराज पर ताजा हमला बोलकर कहा, कांग्रेस पार्टी ने शिवराज सरकार के 18 साल के घोटालों की सूची जनता के सामने रख दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने जाति सर्वेक्षण आंकड़े जारी करने पर रोक लगाने से किया इनकार

-बिहार सरकार को मिली बड़ी राहत, नहीं होगा निजता का उल्लंघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सराकर को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए जाति सर्वेक्षण के आंकड़े जारी करने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इससे अब जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़े सरकार जारी कर सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह बिहार सरकार को जाति सर्वेक्षण के तहत एकत्रित डेटा या निष्कर्षों को प्रकाशित करने से नहीं रोक सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब तक कि राज्य सरकार की ओर किसी संवैधानिक अधिकार के उल्लंघन या उसकी ओर से सक्षमता की कमी का प्रथम दृष्ट्या मामला न हो, हम उसे डेटा प्रकाशित करने से नहीं रोक सकते। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ताओं के एक समूह ने पटना उच्च न्यायालय के 1 अगस्त के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। पटना हाई कोर्ट ने अपने आदेश में बिहार सरकार को जाति सर्वेक्षण पूरा करने की अनुमति प्रदान कर दी थी। याचिकाकर्ताओं के समूह ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में जाति सर्वेक्षण के प्रकाशन को निजता के अधिकार का उल्लंघन बताया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि लोगों से उनकी जाति का खुलासा करने के लिए कहने में निजता का उल्लंघन क्या है? याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि यह अभ्यास स्पष्ट रूप से निजता मामले में शीर्ष अदालत के 9-न्यायाधीशों के फैसले का उल्लंघन है, जिसमें यह कहा गया था कि राज्य किसी कानून के समर्थन के बिना व्यक्तियों की निजता का अतिक्रमण नहीं कर सकता।

इसके बाद न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने पूछा कि बिहार जैसे राज्य में, पड़ोसियों को एक दूसरे की जाति के बारे में पता होता है, सर्वेक्षण फॉर्म में पूछे गए इन 17 प्रश्नों में से कौन सा गोपनीयता पर हमला करता है? यह अभ्यास एक कार्यकारी आदेश के बाद किया जा रहा है। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने 1 अगस्त के पटना उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की, जब तक प्रथमदृष्टया कोई उल्लंघन का मामला न हो, हम कुछ भी नहीं रोकेंगे। कुछ कानूनी मुद्दे हैं जिन पर बहस हो सकती है। यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और उच्च न्यायालय का फैसला उनके पक्ष में आ चुका है।

ब्रिक्स में शामिल होने ईरान के राष्ट्रपति ने की पीएम मोदी से बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स के विस्तार सहित बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग हसिल करने के लिए ईरान ने ब्रिक्स में शामिल होने के लिए पीएम मोदी से बात की है। जानकारी के अनुसार रूस और चीन जैसे देश ब्रिक्स का विस्तार चाह रहे हैं। हालांकि, भारत की इसमें दिलचस्पी नहीं है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स में शामिल होने की चाह रखने वाले ईरान के राष्ट्रपति सैय्यद इब्राहिम रायसी से बात की है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर गौर किया कि भारत-ईरान संबंध करीबी ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित है। लोगों के बीच मजबूत संपर्क भी इसमें शामिल है। दोनों नेताओं ने कनेक्टिविटी हब के रूप में चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता का उपयोग करने के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने ब्रिक्स के विस्तार सहित बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर भी चर्चा की। दोनों देश दक्षिण अफ्रीका में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अपनी बैठक के लिए उत्सुक हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब अगले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होने वाला है। इसके एजेंडे में ईरान सहित कई नए देशों को ब्रिक्स में शामिल करना शामिल है।

हालांकि लगभग 40 देशों ने कथित तौर पर ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। कहा जाता है कि देशों की इस सूची में सऊदी अरब, अर्जेंटीना, कजाकिस्तान, कोमोरोस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल है। भारत ने इस कदम का विरोध नहीं किया है, लेकिन उसने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि ब्रिक्स के विस्तार के लिए आवेदनों पर विचार करने और उन्हें मंजूरी देने के लिए तंत्र अभी तक विकसित नहीं किया गया है।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को इसके प्रभावों को लेकर अधिक सावधान रहना चाहिए: न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने महिला पत्रकारों के खिलाफ 2018 में कथित तौर पर अपमानजक टिप्पणियों वाली एक फेसबुक पोस्ट साझा करने के मामले में अभिनेता एवं तमिलनाडु के पूर्व विधायक एस. वे. शेखर की ओर से दायर याचिका खारिज करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वालों को इसके प्रभाव और पहुंच के बारे में सावधान रहना चाहिए। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा की पीठ मद्रास उच्च न्यायालय के 14 जुलाई के उस आदेश के खिलाफ शेखर की ओर से दायर याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमेंसंबंधित मामले में आपराधिक मुकदमा रद्द करने संबंधी उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। पीठ ने याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से कहा, ''अगर कोई सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता है, तो उसे इसके प्रभाव और पहुंच के बारे में अधिक सावधान रहना चाहिए।

वकील ने दलील दी कि घटना के दिन शेखर ने अपनी आंखों में कुछ दवा डाल ली थी, जिसके कारण वह साझा की गई अपनी पोस्ट की विषय-वस्तु नहीं पढ़ सके थे। पीठ ने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को सोशल मीडिया का इस्तेमाल जरूरी लगता है तो उसे परिणाम भुगतने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि शेखर ने 19 अप्रैल, 2018 को अपने फेसबुक अकाउंट पर एक ''अपमानजनक और अश्लील टिप्पणी'' प्रकाशित/प्रसारित की थी, जिसके बाद चेन्नई पुलिस आयुक्त के समक्ष एक शिकायत दर्ज की गई। अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया था कि मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में उनके खिलाफ अन्य निजी शिकायतें भी दर्ज की गई थीं।

शेखर के वकील ने उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी थी कि उन्हें उस संदेश की विषय-वस्तु के बारे में पता नहीं था, जो उन्हें भेजा गया था और उन्होंने इसे केवल अपने फेसबुक अकाउंट से अग्रसारित किया था। उनके वकील ने कहा था कि संदेश में मौजूद अपमानजनक टिप्पणियों के बारे में पता चलने के बाद शेखर ने उसी दिन कुछ घंटों के भीतर लिखित सामग्री हटा दी और इसके बाद 20 अप्रैल, 2018 को एक पत्र लिखकर संबंधित महिला पत्रकारों और मीडिया से बिना शर्त माफी मांगी थी।

राजस्थान में आप अकेले ही लड़ेगी 200 सीटों पर चुनाव, विपक्षी समूह इंडिया को दिया झटका

नई दिल्ली/जयपुर (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस भले ही 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दोस्ती का हाथ मिला चुके हैं। लेकिन इससे पहले दोनों दलों के बीच टकराव भी देखने को मिल सकता है। इसकी मुख्य वजह यह है कि दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस से सत्ता छीन चुकी आप ने अब राजस्थान विधानसभा चुनाव में अकेले सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इससे विपक्षी दल गठबंधन इंडिया को तगड़ा झटका लगा है। बताया जा रहा है कि आम आदमी पार्टी जल्द ही उम्मीदवारों का ऐलान भी करने जा रही है। कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई वाले सूबे में तीसरी ताकत की एंट्री से राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। आप का सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ना कांग्रेस के लिए अधिक टेंशन की बात हो सकती है, क्योंकि दिल्ली, पंजाब, गोवा से लेकर गुजरात तक में यह दिख चुका है कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने कांग्रेस के वोटबैंक पर ही कब्जा किया है। आप राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी 200 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 22 अगस्त को राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप पाठक ने दिल्ली में बैठक बुलाई है। इसमें उम्मीदवारों का चयन करके लिस्ट राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सौंपी जाएगी।

नवीन पालीवाल ने उम्मीद जाहिर की कि 25 अगस्त तक आप की पहली लिस्ट जारी हो जाएगी। वहीं, राजस्थान के प्रभारी और दिल्ली में द्वारका सीट से विधायक विनय मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पहले टिकट घोषित करने का ट्रेंड सेट किया है, उसकी की नकल बीजेपी ने की है। हम भी 22 को उम्मीदवारों का चयन करने जा रहे हैं। 25-26 तक पहली लिस्ट जारी हो जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में है और रिवाज बदलते हुए लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में जुटी है। मुफ्त बिजली, राशन किट, 500 रुपए में सिलेंडर जैसी योजनाओं के सहारे अशोक गहलोत अपना जादू चलाने की कोशिश में जुटे हैं।

वहीं, भाजपा को उम्मीद है कि जनता राजस्थान के ट्रेंड को जारी रखते हुए सत्ता में परिवर्तन करेगी और उसे अगले 5 साल तक मौका मिलेगा। अब आप की एंट्री के बाद चुनावी जंग और भी दिलचस्प हो गई है। कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आप सत्ता विरोधी वोटों का बंटवारा करती है तो कांग्रेस को लाभ हो सकता है। हालांकि, कुछ अन्य विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा का अपना वोट बैंक काफी हद तक उसके साथ स्थिर रहता है जबकि कांग्रेस और आप का वोटर बेस लगभग एक जैसा है। दिल्ली, पंजाब में तो आप ने कांग्रेस के पूरे वोटबैंक को अपनी तरफ शिफ्ट कर लिया। गोवा और गुजरात में भी उसने कांग्रेस के वोटर्स में ही सेंध लगाई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मामा हो तो ऐसा : जुड़वा भांजियों के लिए चंद्रमा पर खरीदी एक एकड़ जमीन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एक जमाना था जब बेहद कोमल सी भावनाएं जुड़ी रहती थी मामा से। हर प्यारी चीज मामा से जोड़ दी जाती थी। बेहद प्यारे मामा से भांजा-भांजियों को काफी लगाव होता था। आज के आधुनिक युग में भी कुछ लोग ऐसे हैं जो इस प्यारे रिश्ते काफी महत्व देते हैं। सूरत में एक मामा ने अपने दो भांजियों के लिए चंद्रमा पर एक एकड़ जमीन कर सिद्ध कर दिया है कि उसके जीवन में इन रिश्तों का कितना महत्व है। सूरत के सरथाणा क्षेत्र निवासी और डिजिटल मार्केटिंग से जुड़े ब्रिजेश वेकरिया के यहां एक नहीं दो बेटियों का जन्म होने से परिवार में खुशी छा गई। जुड़वा भांजियों के जन्म के बाद ब्रिजेश वेकरिया ने उनके लिए चंद्रमा पर एक एकड़ जमीन खरीद ली है। आज तक चंद्रमा पर इतनी छोटी आयु के जुड़वा बच्चों के नाम कोई जमीन नहीं है। लेकिन ब्रिजेश वेकरिया ने अपनी जुड़वा भांजियों के लिए चंद्रमा पर एक एकड़ जमीन खरीद कर एक रिकार्ड बना दिया। ब्रिजेश वेकरिया ने अपनी बहन दया से दोनों भांजियों के दस्तावेज लेकर अमेरिका स्थित लुनार लैन्डर्स नामक कंपनी में चंद्रमा

पर जमीन खरीदने के लिए आवेदन किया था। कंपनी के आवेदन स्वीकार करने से ब्रिजेश वेकरिया की दोनों भांजिया चंद्रमा पर जमीन की मालिक बन गई हैं। चंद्रमा पर जमीन खरीदने के बारे में कई वेबसाइट हैं। ये सभी वेबसाइट चंद्रमा पर जमीन बेचने का दावा करती हैं। लेकिन चंद्रमा पर जमीन किससे खरीदने यह काफी महत्वपूर्ण है। सूरत के ब्रिजेश वेकरिया इस बारे में काफी रिसर्च किया और उसके बाद पता चला कि अमेरिका स्थित लुनार लैंडर्स कंपनी के माध्यम से चंद्रमा पर जमीन खरीदी जा सकती है। ब्रिजेश पटेल ने तीन महीने तक कंपनी के साथ मेइल के जरिए बातचीत की और विश्वास होने के बाद चंद्रमा पर जमीन खरीदी।

ब्रिजेश ने चंद्रमा पर जो जमीन खरीदी है वह अमेरिका की लुनार सोसायटी के क्षेत्र की मानी जाती है। इसके अंतर्गत कोई भी व्यक्ति अंतरिक्ष में अपना दावा नहीं कर सकता।

सीनियर केजी के छात्र की बुरी तरह पिटाई करने पर शिक्षिका सस्पैंड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर की एक प्राइवेट स्कूल में केजी सीनियर के छात्र की बुरी तरह पिटाई करने पर शिक्षिका को सस्पैंड कर दिया गया। घटना अहमदाबाद के चांदलोडिया ब्रिज के निकट स्थित शक्तिस्कूल की है। जहां केजी में पढ़नेवाले 5 वर्षीय बच्चे को शिक्षिका इस बेरहमी से पीटा कि उसके शरीर पर चोट के निशान पड़ गए। विद्यार्थी के पिता के मुताबिक शिक्षिका ने उसके बेटे की लकड़ी से पिटाई की, जिसके चोट के निशान उसके शरीर पर पड़ गए। इसके सीसीटीवी फूटेज स्कूल संचालक ने उन्हें दिखाए हैं। यह भी सामने आया है कि शिक्षिका इससे पहले भी कई बच्चों के साथ इस तरह से मारपीट कर चुकी है। हांलाकि किसी अभिभावक के शिकायत नहीं करने पर अन्य घटनाएं सामने नहीं आई। फिलहाल शिक्षिका को सस्पैंड कर दिया है। गौर करनेवाली बात है कि अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ने और अच्छे भविष्य के निर्माण के लिए स्कूल भेजते हैं ना कि शिक्षिकों से मार खाने के लिए। प्रत्येक बच्चे से गलती होती है, इसका मतलब यह नहीं कि उसकी निर्दयतापूर्वक पिटाई की जाए। जो अनुचित और गैरकानूनी भी है। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए। आखिर मासूम बच्चे को इस कदर पीटने का अधिकार शिक्षक को दिया किसने? विद्यार्थियों को शांति से समझाने के बजाए उनके साथ मारपीट क्यों की जाती है? आखिर क्यों शिक्षक अपनी गरिमा भूल जाते हैं?

उत्तर प्रदेश के कुख्यात गैंगस्टर

मास्टरमाइंड विपिन सिंह ठाकुर ने रायबरेली से अपराधियों को बुलाया योजना को अंजाम दिया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

विपिनसिंह ठाकुर के पास से बैंक में जमा 1 लाख रुपए और 2.13 लाख रुपए, पिस्टल, मोबाइल फोन समेत कुल 2.59 लाख रुपए जब्त किए गए।

सूरत, एक सप्ताह पहले सूरत के सचिन के वांज में बैंक ऑफ महाराष्ट्र से 13.26 लाख रुपये लूटने वाले पांच लुटेरों में से मास्टरमाइंड, उत्तर प्रदेश के कुख्यात गैंगस्टर समेत चार को क्राइम ब्रांच ने रायबरेली और अमेठी से गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश में, पिस्तौल, मोबाइल फोन पाया गया और कुल 2.59 लाख रुपये जब्त

किए गए।

क्राइम ब्रांच सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 11 तारीख की दोपहर सूरत के सचिन वानज स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में दो बाइक पर हेलमेट पहने पांच लुटेरों ने बैंक में मौजूद स्टाफ और ग्राहकों को रिवॉल्वर दिखाई. कुछ ही मिनटों में बैंक और बाथरूम में रखे 13.26 लाख रुपये लूट लिए। डकैती की सूचना पर भागा सचिन मुखबिरों और टेक्निकल सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की मदद से उत्तर प्रदेश पहुंचा। मुखबिर और तकनीकी निगरानी, रायबरेली और अमेठी से उसका पता लगाने के लिए उत्तर प्रदेश पहुंचे।), अरबाज खान शानमोहम्मद गुजर (उम्र 21, निवास अशरपुर, जिला अमेठी, उत्तर प्रदेश), अनुजप्रतापसिंग धर्मराजसिंह ठाकुर (उम्र 21, निवास जेनापुर, जिला.अमेठी, उत्तर प्रदेश) और फुरकान अहमद मोहम्मद सैफ गुजर (यू.डब्ल्यू.22, निवासी पूरेचंदाई, जिला.अमेठी, उत्तर प्रदेश) को उठाया गया।

क्राइम ब्रांच ने उसके पास से एक पिस्तौल, दो कारतूस, तिलोई के पंजाब नेशनल बैंक में विपिनसिंह द्वारा जमा कराए गए एक लाख रुपए नकद, 1.13 लाख रुपए नकद, मोबाइल फोन आदि कुल 2,58,900 रुपए जब्त किए। पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर ने बताया कि उत्तर प्रदेश में हत्या के प्रयास, छापामारी, डकैती, आर्म्स एक्ट, वाहन चोरी, चिल्जडैप जैसे 32 अपराधों में गिरफ्तार किया गया विपिनसिंह डेढ़ साल पहले जेल से छूटा था। स्थिति, उन्होंने डकैती और शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार चार आदतन अपराधियों को सूरत बुलाया और डकैती की योजना को अंजाम दिया।

वे पलसाना में रुके और दो चोरी की बाइक पर सूरत शहर और ग्रामीण इलाकों में रेकी कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने एक ग्रामीण इलाके में एक बैंक को लूटने का फैसला किया और बैंक में कोई चौकीदार नहीं था। दोपहर में वे डकैती के लिए गए। लेकिन उस समय उस समय बाहर काफी ट्रैफिक था, योजना पर अमल नहीं हो सका और अगले दिन उन्होंने चोरी की बाइक अमीना अस्पताल की पार्किंग में रख दी और वहां पिस्तौल छिपाकर अलग-अलग रिक्शों से कड़ोदरा पहुंचे और वहां से उत्तर प्रदेश पहुंच गए। अलग - अलग तरीकों से।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि लुटेरों ने अधिकांश पैसा खर्च कर दिया था और अपराध शाखा इस आशंका के बाद आगे की जांच कर रही थी कि लुटेरों के पास और भी पैसे थे और एक और लुटेरा था जिसे पकड़ा जाना बाकी था।

विपिनसिंह पिछले एक साल से सूरत में डकैती की योजना बना रहा था

एक साल पहले उसने घोड्डोद रोड पर अलग-अलग ज्वैलर्स की दुकानों पर रेकी की थी

सूरत, : गैंगस्टर विपिनसिंह साड़ी का भी कारोबार करता है और चूंकि वह अक्सर सूरत आता रहता है, इसलिए उसने एक साल पहले सूरत में डकैती की योजना बनाई थी। इसके लिए उसने एक साल पहले भेस्तान इलाके से एक बाइक चुराई थी और उसे अलग-अलग ज्वैलर्स की दुकान पर अकेले रखा था। घोड्डोद रोड पर, इलाका भीड़भाड़ वाला था, उसने योजना को अंजाम नहीं दिया। उत्तर प्रदेश में ३२ अपराधों में पकड़ा गया विपिनसिंह समय-समय पर सूरत आता था और अब उसने पिछले मंगलवार को अपने चार साथियों को बुलाया और घटना को अंजाम दिया। डकैती की योजना.

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिसकर्मियों का भी कटेगा चालान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में अब ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। पुलिस महानिदेशक के आदेश पर अहमदाबाद स्थित शाहीबाग पुलिस मुख्यालय पर ट्रैफिक पुलिस ने स्पेशल ड्राइव चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की। पुलिस मुख्यालय के निकट से गुजरने वाले पुलिसकर्मियों को रोक उनका लाइसंस की जांच की गई। जिन्होंने हेल्मेट नहीं पहना था या लाइसंस नहीं था उनके खिलाफ कार्यवाही की गई। ट्रैफिक नियमों का आम लोगों को नहीं अब पुलिसकर्मियों को सख्ती से पालन करना होगा। पुलिस महानिदेशक के आदेश के बाद ट्रैफिक पुलिस हरकत में आ गई है और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के

खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी। कानून के रखवाले कई पुलिसकर्मी खुद कानून की धज्जिया उडाते थे। हेल्मेट, सीट बेल्ट, नंबर प्लैट बगैर के वाहनों के साथ पकड़े गए पुलिसकर्मियों का चालान काट ट्रैफिक पुलिस ने उनसे जुर्माना वसूला। ट्रैफिक पुलिस ने डार्क फिल्म वाली गाडियों के खिलाफ भी दंडात्मक कार्यवाही की। दरअसल आम लोगों को नियमों का पालन करने की नसीहत देने वाले कुछ पुलिसकर्मी खुद ही इसका उल्लंगन करते थे। ऐसी कई घटनाएं सामने आने के बाद पुलिस महानिदेशक के आदेश पर ट्रैफिक पुलिस ने खास ड्राइव चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की। पुलिस परिवार का कोई भी सदस्य ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com